RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:31 ता. 29 जुलाई 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

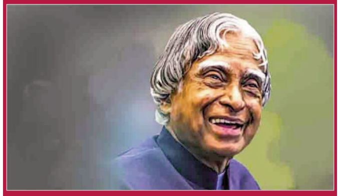

कलाम साहब की नौवीं पुण्यतिथि आज, बीजेपी करेगी बड़े कार्यक्रम

नई दिल्ली । 27 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति और अंतरिक्ष वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम की नौवीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर बीजेपी बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी में है। पार्टी का अल्पसंख्यक मोर्चा 27 को कलाम की नौवीं पुण्यतिथि के अवसर पर देशभर में कैंपेन शुरू करेगा। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जमाल सिद्दीकी ने कहा है कि कैंपेन में जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पसमांदा मुस्लिमों के आदर्श कलाम को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस मौके पर बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। इस तरह के कार्यक्रम देश में जिला स्तर पर आयोजित किए जाएंगे, जहां कलाम की प्रतिमाओं और तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। कार्यक्रम के तहत चिकित्सा शिविर लगाए जाने की भी योजना है। वहीं कलाम की याद में एक सोशल मीडिया अभियान युवा उद्यमी पुरस्कार भी शुरू होगा। इसके तहत हर राज्य से 5 लोगों का चयन किया जाएगा। पुरस्कार के लिए नामांकन 6 अगस्त तक स्वीकार किए जाएंगे और नतीजे 12 अगस्त को घोषित किए जाएंगे। 27 जुलाई 2015 को भारत के महानतम वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम का शिलॉग में निधन हो गया था। भाषण देते समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा जिसके बाद उनकी मृत्यु हो गई थी। वह 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे थे।

हिम शिवलिंग के दर्शन करने 2,500 से ज्यादा तीर्थयात्री रवाना

जम्मू। अमरनाथ गुफा में शिवलिंग के दर्शन के लिए शुक्रवार तड़के बारिश के बीच ढाई हजार से ज्यादा तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 4.36 लाख श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। पिछले साल 4.5 लाख से ज्यादों भक्तों ने शिवलिंग के दर्शन किए थे। उन्होंने बताया कि 84 वाहनों में सवार ढाई हजार से ज्यादा तीर्थयात्रियों का 29वां जत्था तड़के 3ः20 मिनट पर भगवती नगर शिविर से रवाना हुआ। इस दौरान सीआरपीएफ के जवानों ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई। अधिकारियों ने बताया कि 1,681 तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए 48 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम मार्ग चुना है जबकि 885 तीर्थयात्री 14 किलोमीटर के कठिन बालटाल मार्ग से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुए। यह 52 दिवसीय यात्रा औपचारिक रूप से 29 जून को शुरू हुई थी और इसका समापन 19 अगस्त को होगा।

गुप्त दान देने वालों पर शिकंजा नहीं कस सकता है, आयकर विभाग- हाईकोर्ट

मुंबई । मुंबई हाईकोर्ट ने शिर्डी के सांई बाबा ट्रस्ट को मिलने वाले गुप्त दान पर दायर आयकर विभाग की याचिका पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा है, आयकर विभाग मंदिरों को गुप्त दान देने पर भक्तों की भावना को नियंत्रित नहीं कर सकता है। मुंबई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति सोमशेखर की खंडपीठ ने कहा सांई बाबा भगवान दत्तात्रेय के अवतार माने जाते हैं। भक्त उनकी पूजा करते हैं। जो भी दान भक्त करते हैं। वह उनकी आस्था का प्रतीक है। साईं बाबा ट्रस्ट एक धार्मिक संस्थान है। इसे आयकर से छूट प्राप्त है। आयकर ट्रिब्यूनल का मानना है, सांई बाबा ट्रस्ट धर्माथ है,धार्मिक ट्रस्ट नहीं है। आयकर विभाग का कहना था। ट्रस्ट की आय 400 करोड रुपए से ज्यादा की है। धार्मिक कार्यों पर ट्रस्ट ने मात्र 2.30 करोड रुपए ही खर्च किए हैं। आयकर विभाग का कहना था,धार्मिक कार्यों के लिए यह राशि खर्च नहीं की जा रही है। मुंबई हाईकोर्ट की खंड पीठ ने इस मामले की सुनवाई करने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है।

चीन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करे, भारत

नई दिल्ली । चीन की सरकार ने भारत से कहा है। वह भारत से चीन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करने की पहल करे। चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट पर भारत सरकार से यह आग्रह किया है। उल्लेखनीय है, 2020 में भारत और चीन के बीच में गलवान घाटी में हुये संघर्ष के बाद से भारत से चीन के लिए सीधी फ्लाइट बंद कर दी गई थी। अभी चीन जाने के लिए यात्रियों को ढाका हांगकांग सिंगापुर बैंकॉक होते हुए चीन जाना पड़ता है। जी 20 की विदेश मंत्रियों की बैठक मार्च 2023 में भारत में हुई थी। इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री ने यह मामला उठाया था। भारत सरकार ने सीमा विवाद होने के कारण सीधी फ्लाइट चलानेकी अनुमति देने से इनकार कर दिया था। भारत से चीन जाने वाले यात्रियों की संख्या बहुत थी। भारत सरकार ने जब से प्रतिबंध लगाया है। तब से अभी तक एअर चायना, ईसटर्न चायना और वेस्टर्न चायना की तीनों एयरलाइंस को लगभग 25000 करोड़ का घाटा हो चुका है। भारत से सीधी फ्लाइट बंद होने के पहले हर माह 590 फ्लाइट भारत और चीन के बीच में चलती थी। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान चीनी एयरलाइंस को हुआ है। चीन की जीडीपी ग्रोथ लगातार घट रही है। इसलिए चीन अब अपनी जीडीपी ग्रोथ बढ़ाने के लिए भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को ठीक-ठाक करने में लगा हुआ है।

राष्ट्रपति ने भारत के सपूतों को किया याद कहा-

साहस और वीरता को नमन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत के बहादुर सपूतों के साहस और वीरता के आगे समूचा राष्ट्र नतमस्तक है। उनकी जांबाजी के परिणामस्वरुप हमसब सुरक्षित है। जिसने भी इस देश पर बुरी नजर डाली है उसे भारतीय जवानों ने मिट्टी में मिलाने का काम किया है। 25 साल पहले भी कारगिल में कुछ इसी तरह की हरकत की गई थी। जिसका हमारे बहादुर जवानों ने डटकर मुकाबला किया और दुश्मनों को खदेड़ डाला। इस जंग कुछ जवान शहीद भी हुए हैं। आज 26 जुलाई को उनकी शहादत को हर साल कारगिल विजय दिवस के रुप में मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर युद्ध में शहीद हुए जवानों को याद किया है। मुर्मू ने एक्स पर लिखा- कारगिल विजय दिवस एक कृतज्ञ राष्ट्र के लिए हमारे सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और असाधारण वीरता को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। मैं वर्ष 1999 में कारगिल की चोटियों पर भारत माता की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले प्रत्येक सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनकी पवित्र स्मृति को नमन करती हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि सभी देशवासी उनके बलिदान और वीरता से प्रेरणा लेंगे।

लद्दाख में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कारगिल युद्ध स्मारक (द्रास) पर 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के दौरान कारगिल युद्ध में कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर नायकों को पुष्पांजलि अर्पित की और श्रद्धांजलि भी दी।

कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर पीएम मोदी बोले

अग्निवीर पर झूठ फैला रहा विपक्ष

द्रास । (एजेंसी)

कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख में 1विनोद उपाध्याय / 26 जुलाई, 2024 की जंग के नायकों को श्रद्धांजलि दी। वे कारगिल वॉर मेमोरियल भी गए। करीब 20 मिनट के संबोधन में पीएम ने पाकिस्तान, आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अग्निपथ योजना और विपक्ष पर बात की। पीएम ने कहा कि पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर के जरिए चर्चा में बना रहना चाहता है। उन्होंने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। अतीत में आतंकवाद को लेकर उनके हर प्रयास विफल रहे। मैं जहां खड़ा हूं, वहां से आतंक के आकाओं तक मेरी आवाज पहुंच रही होगी। उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सेना का रिफॉर्म्स हमारी पहली प्राथमिकता है। अग्निपथ योजना इसका हिस्सा है। संसद में दशकों तक सेना को युवा बनाने पर चर्चा होती रहीं। कई कमेटियों में ये विषय उठा, लेकिन इस बदलाव की पहले इच्छा शक्ति नहीं दिखाई गई। कुछ लोगों की मानसिकता यही थी कि सेना मतलब नेताओं को सलाम करना, परेड करना। हमारे लिए सेना मतलब 140 करोड़ देशवासियों की सुरक्षा, शांति की गारंटी। अग्निपथ योजना के जरिए इसे हमने साकार किया है। दुर्भाग्य से इतने संवेदनशील विषय को कुछ लोगों ने राजनीति का विषय बना दिया है।

टनल की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री मोदी ने कारगिल वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद लद्दाख में शिंकुन ला टनल प्रोजेक्ट के लिए पहला वर्चुअल ब्लास्ट किया। यह दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनने वाली टनल है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई करीब 15,800 फीट है। यह हिमाचल प्रदेश की लाहौल वैली को लद्दाख की जास्कर वैली से जोड़ेगी। 4.1 किमी लंबी यह टनल निमू-पदुम-दारचा रोड पर बनाई जाएगी। इसे बनाने में करीब 1681 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। सीमा सडक़ संगठन (बीआरओ) करीब दो साल में बनाकर तैयार करेगा। इलाके में साल के चार-पांच महीने बर्फ जमी रहती है। टनल बन जाने के बाद यहां सालभर आवाजाही की जा सकेगी। शिंकुन ला टनल एक ट्विन-ट्यूब डबल लेन टनल होगी। इसमें हर 500 मीटर के बाद क्रॉस पैसेज होंगे। इसके अंदर सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन सिस्टम, मैकेनिकल वेंटिलेशन सिस्टम, फायर फाइटिंग सिस्टम और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी जैसी सुविधाएं होंगी।

कड़ी सुरक्षा के बीच राहुल गांधी विशेष कोर्ट में हुए हाजिर, दर्ज कराया अपना बयान

सुलतानपुर । (एजेंसी)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर हुए। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में राहुल गांधी ने अपने वकील काशी प्रसाद शुक्ल व परिवादी के वकील संतोष पांडेय की मौजूदगी में अपना बयान दर्ज कराया। कोर्ट ने परिवादी के साक्ष्य के लिए 12 अगस्त की तारीख नियत की है। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया बंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत पहले ही हो चुकी है।

कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराने के बाद कोर्ट से बाहर आते ही राहुल गांधी जिन्दाबाद के जमकर नारे लगे।

पुतिन-मोदी मुलाकात से भन्नाया चीन.....अब चौधरी बनने में जुटा

नई दिल्ली।

भारत और रूस की दोस्ती की पूरी दुनिया में मिसाल दी जाती है। चाहे संयुक्त राष्ट्र का मंच हो या कोई बड़ा मसलाज दोनों ने शुरू से एक-दूसरे का साथ दिया है। लेकिन भारत और रूस की यारी से चीन परेशान हो रहा है। चीन दोस्ती में दरार लाने की हरसंभव कोशिश करता रहता है। मगर यह दोस्ती अटूट है। खुद अमेरिका मानता है कि रूस-यूक्रेन जंग में भारत ही शांति दूत का काम कर सकता है। इस हकीकत से अनजान होकर चीन रूस-यूक्रेन जंग में चौधरी बनना चाहता है। दरअसल, जब से जंग भड़की है, चीन रूस पर डोरे डालने की पूरी कोशिश कर रहा है। ड्रैगन ने पुतिन को अलग-अलग तरीकों से बीते कुछ समय से लुभाने का प्रयास किया है। मगर पीएम मोदी के मॉस्को दौरे ने चीन की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। चीन अब पीएम मोदी की पुतिन संग मुलाकात से भन्ना गया है। आनन-फानन में चीन रूस-यूक्रेन जंग और हमास-इजरायल जंग खत्म करवाने की झूठी कवायद में जुट गया है। इसके लिए चीन ने हमास और फतह के बीच सुलह करा दी है। ये दोनों कट्टर दुश्मन रहे हैं। चीन ने यूक्रेन के विदेश मंत्री को बीजिंग में बुला लिया। वह यूक्रेन को भरोसा दिला रहा है कि वह शांति दूत बनकर जंग खत्म करा देगा। यूक्रेनी विदेश मंत्री का बीजिंग आया इसलिए भी खास है, क्योंकि रूस और यूक्रेन जंग के शुरू होने के बाद पहली बार चीन ने किसी यूक्रेनी नेता की बीजिंग में मेजबानी की है। दरअसल चीन दुनिया को दिखाना चाहता है कि वर्ल्ड ऑर्डर में वह अब चीजें तय कर सकता है। चीन यूक्रेनी विदेश मंत्री संग मुलाकात के जरिए खुद को एक तटस्थ और शांति दूत के तौर पर पेश करना चाहता है ।जबकि हकीकत यह है कि चीन जंग को और भड़काता रहा है।

आप ने हरियाणा में फूंका चुनावी बिगुल......15 दिनों में 45 रैलियां

नई दिल्ली । (एजेंसी)

हरियाणा आम आदमी पार्टी (आप) राज्य भर में अगले 15 दिनों में 45 रैलियां करेगी। पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने इसकी जानकारी दी है। ढांडा ने बताया कि पार्टी हर दो विधानसभा क्षेत्रों में एक चुनावी रैली करेगी, रैली को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक संबोधित करने वाले है।

हरियाणा में कुल 90 विधानसभा सीटें हैं। सभी सीटों पर आप अपने दम पर चुनाव लड़ रही है। जबकि दिल्ली के सीएम केजरीवाल, अभी न्यायिक हिरासत में हैं, उनकी पत्नी सुनीता ने पिछले 20 जुलाई को पंचकुला शहर में एक पार्टी कार्यक्रम में हरियाणा के लोगों के लिए सत्ता में आने पर पांच आप गारंटी की घोषणा की थी।

ढांडा ने कहा कि शनिवार को सुनीता साढौरा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करेंगी। उन्होंने कहा कि इस तरह, अगले 15 दिनों में हरियाणा में हर रोज अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में दो रैलियां आयोजित की जाएंगी। ढांडा ने कहा कि नेता आप की पांच गारंटियों के बारे में जानकारी और जागरूकता फैलाएंगे जिसमें 24 घंटे और मुफ्त बिजली, मोहल्ला क्लीनिक, अच्छी शिक्षा का प्रावधान, प्रत्येक महिला को 1,000 रुपये प्रति माह का सम्मान और हरियाणा के युवाओं के लिए 100 प्रतिशत रोजगार सुनिश्चित करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार, बिजली, स्कूल-अस्पताल उपलब्ध कराने, महिलाओं की सुरक्षा, उनकी जरूरतों को समझने और उन्हें एक हजार रुपये का सम्मान राशि देने का काम किसी भी सरकार ने नहीं किया। हम इन सवालों को जनता के बीच ले जाएंगे। उन्होंने कहा, ये पांच गारंटी आप की मूल विचारधारा में हैं और कहा कि इसके अलावा, पार्टी हरियाणा के किसानों, छात्रों और महिलाओं से जुड़े हर मुद्दे पर बहुत विस्तृत योजनाएं लाएगी।

नीट पेपर लीक मामला

अधजले पेपरों ने सीबीआई को आरोपियों तक पहुंचाया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आधे जले हुए पेपर ने सीबीआई को एक अहम सुराग मिला और उसने पेपर लीक मामले को सुलझाने में मदद की। नीट पेपर लीक मामले में अपने आधिकारिक बयान में सीबीआई ने अपराध के बारे में खुलासा किया। सीबीआई के मुताबिक नीट यूजी 2024 पेपर पांच मई, 2024 को झारखंड के हजारीबाग में ओएसिस स्कूल से अवैध रूप से प्राप्त किया गया था।

सीबीआई ने कहा कि पंकज कुमार जिसे आदित्य और साहिल के नाम से भी जाना जाता है, पेपर लीक के पीछे के मास्टरमाइंड में से है, साथ ही स्कूल के प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और एक सहयोगी परीक्षा के पेपर तक अनाधिकृत पहुंच में शामिल थे।

आधे जले हुए पेपरों के बरामद टुकड़ों ने सीबीआई को नीट परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में मदद की, जहां से इसे लीक किया गया था। पांच मई की सुबह नीट पेपर से भरे ट्रंक स्कूल लाए गए और उन्हें नियंत्रण कक्ष में रख दिया गया। सीबीआई ने कहा कि ट्रंक पहुंचने के कुछ ही मिनट बाद स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड को कमरे में जाने दिया।

गिरोह ने पेपर से भरे ट्रंक को खोलने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया और बिना इजाजत उसमें से सामग्री निकाल ली। पेपर तक पहुंचने के बाद, इसे हजारीबाग में एमबीबीएस छात्रों द्वारा हल कराया गया। हल किए गए पेपर को फिर चुनिंदा छात्रों को पहुंचा दिया गया, जिन्होंने उत्तरों के लिए रकम भी दी। सीबीआई ने ऑपरेशन में शामिल अधिकांश सॉल्वरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों को ऐसे व्यक्तियों के एक नेटवर्क का समर्थन प्राप्त था, जिन्होंने उम्मीदवारों के आवास और उनके परिवहन का प्रबंध किया था।

वर्तमान में उन सभी छात्रों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें लीक हुए पेपर मिले थे और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा रही है। इस साल 23 जून से चल रही सीबीआई जांच में अब तक 36 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें बिहार पुलिस द्वारा पकड़े गए 15 लोग शामिल हैं।

एक फ़ीसदी अमीरों के पास 3504 चार लाख करोड़ की संपत्ति

10 साल में अमीरों की संपत्ति में 36 गुना का इजाफा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पिछले 10 सालों में एक फ़ीसदी अमीरों की संपत्ति में 36 गुना ज्यादा का इजाफा हुआ है। विश्व के सभी देशों में अमीरों की एक फ़ीसदी अमीरों की संपत्ति में 3504 लाख करोड रुपए का इजाफा हुआ है। सारी दुनिया के देशों की आबादी 800 करोड़ के आसपास है। एक फ़ीसदी अमीर मात्र 0.5 टेक्स अदा कर रहे हैं। 80 फ़ीसदी अमीर, जी 20 के देशों में रहते हैं। गरीबों एवं मध्यम वर्गीय परिवारों से 99.5 फीसदी टैक्स वसूला जाता है। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग की आय टैक्स की तुलना में बहुत कम है। जिसके कारण मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग में गरीबी बढ़ती जा रही है। वहीं मात्र एक फीसदी अमीरों की संपत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट जारी हुई है। जिसमें बताया गया है, दुनिया की 99 फ़ीसदी से ज्यादा आबादी गरीब होती जा रही है। वहीं एक फ़ीसदी से कम अमीरों की संपत्ति में लगातार इजाफा होता जा रहा है। जिसके कारण दुनिया के सभी देशों में आम आदमी गरीबी और भुखमरी का शिकार हो रहा है। अमीरों और गरीबों के बीच की आर्थिक असमानता बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है।

ब्राजील में जी 20 के सदस्य देशों की एक बैठक होने जा रही है। इसमें इस रिपोर्ट पर चर्चा की जानी है। रिपोर्ट में जी 20 के देशों को सलाह दी गई है। दुनिया के सभी देशों को अमीरों पर टैक्स बढ़ाने चाहिए। अमीरों की टेक्स चोरी रोकने के लिए भी जी-20 के देशों को विशेष प्रयास करने चाहिए। इस रिपोर्ट पर रणनीति तैयार करने के लिए जी-20 देशों के अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक चल रही है। उच्च आय वाले लोगों पर टैक्स लगाने और प्रभावी ढंग से वसूल करने के लिए कार्य प्रणाली तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। दुनिया की 800 करोड़ की आबादी में मात्र 80 लाख अमीरों की संपत्ति में पिछले 10 वर्षों में तेजी के साथ वृद्धि हो रही है। वही 799.2 करोड़ आबादी की आय लगातार घट रही है। कई देशों में भुखमरी बढ़ने लगी है। इस रिपोर्ट में चिंता जाहिर की गई है। अभी तक अधिकारियों की जो बैठकें चल रही हैं। उसमें अमीरों के ऊपर टैक्स लगाने को लेकर जी 20 देश के मुखिया सहमत नहीं है। दुनिया के सभी देशों में जो अमीर रह रहे हैं। वह टैक्स बढ़ाने के विरोध में है। जिसके कारण जी-20 देश के राष्ट्राध्यक्ष टैक्स बढ़ाने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं। ब्राजील में जब सभी राष्ट्राध्यक्षों की बैठक होगी। तभी इस मामले में कोई फैसला हो सकेगा।

केजरीवाल की सेहत को लेकर इंडिया गठबंधन का 30 को दिल्ली में प्रदर्शन

नई दिल्ली।(एजेंसी)

आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि इंडिया ब्लॉक 30 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक रैली आयोजित कर रहा है, जिसमें तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाया जाएगा। आप नेता बीजेपी पर जेल में केजरीवाल की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं, जिसमें उनकी मेडिकल रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें दिखाया है कि तीन जून से सात जुलाई के बीच उनका शुगर लेवल 26 बार नीचे आया।

आप नेताओं ने कहा कि केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाने के लिए इंडिया ब्लॉक 30 जुलाई को जंतर-मंतर पर एक बड़ी रैली करेगा।

दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर सीएम केजरीवाल की जान से खेलने का आरोप लगाया है। दिल्ली की मंत्री आतिशी से रैली के बारे में कहा कि बीजेपी दिल्ली के लोगों के खिलाफ साजिश कर रही है। वह दिल्ली के लोगों के काम रोक रही है। वह दिल्ली के लोगों के पैसा रोक रही है।

बीजेपी ने दिल्ली के लोगों के लिए काम करने वाले अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया है। आतिशी ने यह भी दावा किया कि जब बीजेपी को पता चला कि केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल सकती है तो उन्होंने उन्हें सीबीआई से गिरफ्तार करवाया। आतिशी ने दावा किया कि उन्हें पता है कि केजरीवाल को पिछले 30 सालों से डायबिटीज है। हिरासत में उनका वजन 8.5 किलो कम हो गया है। ग्लूकोमीटर पूरे दिन उनके शुगर लेवल पर नजर रखता है। इस डिवाइस का डेटा एलजी और केंद्र के साथ साझा किया जाता है। उन्हें पता है कि केजरीवाल का शुगर लेवल कुल 34 बार गिरा है। बीजेपी चाहती है कि उनका स्वास्थ्य खराब हो जाए।

सभी ब्लॉक पार्टियां केजरीवाल की हिरासत और उनके स्वास्थ्य पर मौजूदा खतरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगी।

पिछले हफ्ते, वीके सक्सेना ने दिल्ली के मुख्य सचिव को केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति को रेखांकित करते हुए लिखा था, जिसमें कहा गया था कि तिहाड़ जेल अधीक्षक द्वारा दी गई रिपोर्ट से पता चला है कि सीएम जानबूझकर अनुशंसित कैलोरी से कम कैलोरी ले रहे हैं। एलजी ने तत्काल कार्रवाई और केजरीवाल के रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी के लिए सख्त प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की।

मोदी सरकार ने बीते 10 सालों में 25 गुना ज्यादा दालों की खरीदी की : शिवराज सिंह चौहान

राहुल गांधी पर तंज, उन्हें नहीं पता जौ की बाली कैसी, और गेहूं की कैसी

नई दिल्ली । मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में एक सांसद के सवाल का जवाब देकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान इसकी आत्मा है। उन्होंने कहा कि किसान की सेवा करना हमारे लिए भगवान की पूजा करने के समान है। उन्होंने कहा कि मैं आपको बताना चाहता हूं कि 2004-14 के बीच केवल 6,29,000 मीट्रिक टन दालें खरीदी गईं। मोदी जी की सरकार 1 करोड़ 70 लाख मीट्रिक टन दाल खरीद रही है, जो 25 गुना ज्यादा है।

शिवराज ने कहा कि बंसी लाल जी ने कहा है कि वह एक विद्वान किसान हैं। मैं कहना चाहूंगा कि दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इस बार केंद्र सरकार ने तय किया है कि मसूर, उड़द और तुअर की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर होगी। चिंता मत कीजिए, देश के किसानों को दाल पैदा करने दीजिए, केंद्र सरकार खरीदने को तैयार है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार निरंतर किसानों के कल्याण के काम में लगी हुई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी की दरें किसान को ठीक दाम देने के लिए लगातार बढ़ाई गई हैं।

किसानों के मुद्दे पर एनडीए सरकार को घेरने का प्रयास कर रही कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में पलटवार करते हुए तंज कसा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नहीं पता होगा कि जौ की बाली कैसी होती है और गेहूं की कैसी। पार्टी ने कहा कि विपक्ष आम चुनाव के परिणाम को अपनी 'नैतिक जीत' बता रहा है लेकिन कांग्रेस को शायद यह अहसास नहीं है कि कोरोना महामारी के बाद जिन देशों में चुनाव हुए हैं, ज्यादातर में सत्ता परिवर्तन हो चुका है, लेकिन भारत की जनता ने नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार सत्ता पर काबिज कराया है।

बीजेपी का विरोध रह गया धरा......... रामनगर जिले का नाम बदला गया

बेंगलुरु ।(एजेंसी)

कर्नाटक कैबिनेट ने रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलुरु दक्षिण करने को मंजूरी दी। फैसले की जानकारी देकर कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने कहा कि ब्रांड बेंगलुरु को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा, बेंगलुरू ब्रांड को ध्यान में रखकर कैबिनेट ने रामनगर के विधायकों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकार किया है। हालाँकि, मंत्री ने स्पष्ट किया, यह केवल नाम का परिवर्तन है और बाकी तालुके वहीं रहने वाले है। पाटिल ने स्पष्ट किया, राजस्व विभाग इस अधिसूचित करने की प्रक्रिया शुरू करेगा और केवल जिले का नाम बदलेगा। हालांकि, भाजपा लगातार इसका विरोध कर रही है। इस महीने की शुरुआत में, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलुरु दक्षिण करने का प्रस्ताव सौंपा था। रामानगर जिले में पांच तालुक हैं, रामानगर, चन्नापटना, मगदी, कनकपुरा और हारोहल्ली। भाजपा और जेडीएस इस लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर हमलावर थी। कर्नाटक बीजेपी ने कहा कि राज्य सरकार रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलुरु दक्षिण करना चाहती है क्योंकि इसमें राम है। कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि वे केवल इस बदलना चाहते हैं क्योंकि रामनगर के नाम में राम है।

बजट में नहीं मिली राहत, आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्याज बनेगी मुद्दा

मुंबई।(एजेंसी)

एनडीए सरकार को हाल के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र के प्याज बेल्ट में झटका लगा है। पार्टी को छह सीटों में से केवल एक पर जीत हासिल हुई है। मुख्य रूप से फसल निर्यात पर प्रतिबंध के चलते व्यापारियों के रूप में आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखाई दे सकता है। किसानों में बजट द्वारा इस पर प्रतिबंध न हटाए जाने पर निराशा है। प्याज के मुफ्त निर्यात पर लंबे समय तक प्रतिबंध एनडीए की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रहा है, नासिक में एक बीजेपी नेता ने निराशा जताते हुए कहा कि हमारे नेता इसके राजनीतिक प्रभाव के बारे में केंद्रीय नेतृत्व को समझाने में सक्षम नहीं थे। डिंडोरी, नासिक, बीड, औरंगाबाद, अहमदनगर और धुले लोकसभा सीटें राज्य की प्याज बेल्ट वाली हैं, जो देश के प्याज उत्पादन का करीब 34फीसदी हिस्सा है। राज्य की 40फीसदी से ज्यादा प्याज की खेती नासिक में ही होती है। औरंगाबाद को छोड़कर, जहां एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के संदीपन भुमारे ने जीत हासिल की, बाकी सभी सीटें एनडीए हार गईं है। अहमदनगर और बीड में, एनसीपी (सपा) के नीलेश लंके और बजरंग सोनावणे जैसे अपेक्षाकृत नए लोगों ने सुजय विखे-पाटिल और पंकजा मुंडे जैसे बीजेपी के दिग्गजों को हार का मजा चखाया है। नासिक जिले के बलगन तालुका से शिवसेना नेता (शिंदे गुट) ने कहा कि विपक्ष लगातार प्याज की कीमतों का मुद्दा

उठा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने अपने नेताओं से निर्यात का मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाने को कहा था। विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और बजट में इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है, इसका उल्टा असर पड़ सकता है। निर्यात प्रतिबंध के कारण पिछले साल ज्यादातर समय प्याज की कीमतें कम रहीं। डिंडोरी लोकसभा सीट के एक किसान ने कहा कि सरकार बजट में प्रतिबंध हटा देगी, लेकिन लगता है कि केंद्र ने इससे सबक नहीं सीखा है। विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा बना रहेगा। हम लोगों में से ज्यादातर सरकार के इस कदम से आहत हैं।

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह का समर्थन करना चन्नी को पड़ा भारी, कांग्रेस घिरी

-बीजेपी बोली-कांग्रेस अलगाववादियों और आतंकवादियों की वकालत क्यों करती है?

नई दिल्ली।(एजेंसी)

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के समर्थन में कांग्रेस के लोकसभा सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी की टिप्पणी पार्टी पर भारी पड़ती दिख रही है। विवाद बढ़ने पर कांग्रेस ने चन्नी के बयान से कन्नी काट ली है।

कांग्रेस ने साफ कहा कि चन्नी के विचार पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि अमृतपाल सिंह पर सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के विचार उनके अपने और निजी हैं, और किसी भी तरह से कांग्रेस की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

चन्नी के बयान के बाद बीजेपी, कांग्रेस पर हमलावर है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने चन्नी की आलोचना करते हुए कहा कि राहुल गांधी की दादी और दिवंगत पीएम इंदिरा गांधी की हत्या के पीछे खालिस्तान का विचार था। उन्होंने कहा कि भारत के टुकड़े-टुकड़े चाहने वाले अलगाववादी के लिए बल्लेबाजी?

राहुलजी को जवाब देना चाहिए कि खालिस्तान के जिस विचार के कारण पीएम इंदिराजी की हत्या हुई, उसकी सराहना की जा रही है। कांग्रेस हमेशा अलगाववादियों और आतंकवादियों की वकालत क्यों करती है?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस सांसद चन्नी की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिस खालिस्तानी ने इंदिरा गांधी की हत्या की, उसे आज चन्नी का खुला समर्थन मिल गया है, इसका मतलब है कि कांग्रेस खालिस्तानियों के साथ है।

यह भारत की अखंडता पर हमला है...कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उन्होंने बजट पर कुछ नहीं बोला।

उन्होंने आपातकाल पर बात की। मुझे लगता है चन्नी को नहीं पता। उन्हें पता होना चाहिए कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हमारे संविधान के साथ क्या किया था। चन्नी को इतिहास पढ़ना चाहिए और आप पंजाब के पूर्व सीएम हैं।

आपको 1984 के दंगों के पीड़ितों की विधवाओं से मिलना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

असम में तीसरा रक्षा गलियारा स्थापित करने रक्षा मंत्री से मिले सीएम सरमा

नई दिल्ली । असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्य में देश का तीसरा रक्षा गलियारा स्थापित करने के प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। सीएम सरमा ने नई दिल्ली दौरे के दौरान रक्षा मंत्री सिंह से मुलाकात की तथा उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के बाद राज्य में रक्षा गलियारा स्थापित करने के मुद्दे पर चर्चा की। शर्मा ने कहा, राज्य में सेमीकंडक्टर इकाई लगने के बाद, हम चाहते हैं कि यह एक रक्षा उत्पादन केंद्र बने और राजनाथ सिंह ने प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्ताव ''विचाराधीन'' है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता के कारण इसमें कुछ समय लग सकता है। शर्मा ने कहा कि अंतिम निर्णय लेने से पहले कई कारकों का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रक्षा गलियारा स्थापित करने से राज्य की आर्थिक स्थिति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

सात लाख अदालती मामलों में केंद्र सरकार पक्षकार

वित्त, रेलवे और रक्षा से संबंधित सबसे ज्यादा मामले

नई दिल्ली । केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा में बताया कि केंद्र करीब सात लाख अदालती मामलों में पक्षकार है। इसमें रक्षा, रेलवे और वित्त मंत्रालय के मामले 50 प्रतिशत से अधिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्यसभा में मंत्री मेघवाल द्वारा दिए आंकड़ों के अनुसार, सरकारी मंत्रालयों से जुड़े कुल 6,98,904 मामले अदालतों में लंबित हैं, जिसमें केंद्रीय मंत्रालय और विभाग पक्षकार हैं। इन मामलों में सबसे अधिक 57 प्रतिशत मामले तीन मंत्रालयों वित्त, रेलवे और रक्षा से संबंधित हैं। हालांकि, उन्होंने कानून मंत्रालय के कानूनी सूचना प्रबंधन और ब्रीफिंग सिस्टम (एलआईएमबीएस) के डेटा की सहायता से आंकड़ें पेश किए, इसपर सभी मंत्रालय अपने स्वयं के मामलों का विवरण दर्ज़ करते हैं। एलआईएमबीएस डेटा के अनुसार, 19 जुलाई तक कुल 6,98,904 मामले अदालतों में लंबित थे, जिसमें केंद्र सरकार एक पक्षकार थी। इसमें सबसे अधिक लंबित मामले वित्त मंत्रालय से जुड़ा हैं, जिनकी संख्या 1,89,289 है। इसके बाद रेलवे का नंबर आता है, जिसके 1,14,557 मामले लंबित है। वहीं, रक्षा के भी 95,467 मुकदमे लंबित हैं।इनके अलावा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के 79,988 मामले और गृह मंत्रालय के 24,409 मामले लंबित हैं। विभिन्न हाईकोर्ट में कुल 2,53,073 मामले लंबित हैं। लंबित मामलों की संख्या सुप्रीम कोर्ट में 17,779 है।

कांग्रेस का मोहरा बन चुके हैं अखिलेश यादवः केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ । सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव के मोहरा बताए जाने के बाद अब उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ने भी पलटवार किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस का मोहरा बन चुके सपा बहादुर अखिलेश जी भाजपा को लेकर गलतफहमी पालने, अति पिछड़ों को निशाना बनाने, अपमान करने की जगह सपा को समाप्त होने से बचाने पर ध्यान दें। भाजपा 2027 में 2017 दोहराएगी, कमल खिला है खिलेगा,खिलता रहेगा। दरअसल, कपिल सिब्बल को दिए इंटरव्यू में अखिलेश ने योगी और केशव प्रसाद मौर्य के बीच खींचतान की खबरों पर कहा था कि बीजेपी में झगड़ा दो नेताओं के बीच नहीं, बल्कि दिल्ली और लखनऊ के बीच है। अखिलेश ने कहा कि केशव प्रसाद सिर्फ मोहरा हैं।

जहरीली गैस के रिसाव से चार की मौत

कटनी । मध्य प्रदेश के कटनी जिले में कुएं में पंप लगाने उतरे चार लोगों की जहरीली गैस के रिसाव से मौत हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताकर मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। जानकारी के अनुसार, जुहली गांव में संजय के कुएं का पंप खराब हो गया था। ठीक करने के लिए पिंटू को कुएं में उतारा गया। वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तब एक-एक कर तीन और लोग कुएं में उतर गए। लेकिन जहरीली गैंस के रिसाव से चारों की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया है। चारों के शव कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया हैं। सीएम यादव ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। मैं बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगतों की पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोकाकुल परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। ओम शांति।

29 जुलाई का महत्वपूर्ण दिन.......जब तय होगी यूपी की राजनीतिक दिशा

लखनऊ ।(एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में जबर्दस्त हलचल मची हुई है। बीजेपी में अंदरूनी गुटबाजी ने इनदिनों सुर्खियाँ बटोरी हैं और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। बीजेपी के सहयोगी दल भी अब मुखर हो चुके हैं, अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने लगे हैं। इस बीच, सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने लखनऊ को छोड़कर दिल्ली का रुख किया है। इस बदलती स्थिति ने 29 जुलाई को यूपी की राजनीति में महत्वपूर्ण मोड़ दे दिया है।

29 जुलाई को यूपी विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा और इसी दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अखिलेश ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे विधानसभा में नए नेता प्रतिपक्ष का चुनाव भी इसी दिन होना है। सीएम योगी के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि उन्हें पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी को सुलझाते हुए सहयोगी दलों का विश्वास भी प्राप्त करना होगा। सपा ने लोकसभा चुनाव में 80 में से 37 सीटें जीतकर अपनी ताकत का एहसास कराया है, जिससे उनके आत्मविश्वास में इजाफा हुआ है। इस विजय के बाद सपा विधानसभा में भी आक्रामक रुख अपनाने की योजना बना रही है। कांग्रेस का समर्थन भी उनकी स्थिति को मजबूत करता है। विपक्षी दलों के मुद्दों का सामना करना बीजेपी के लिए कठिन हो सकता है, खासकर जब मुद्दे बिजली कटौती, कांवड़ यात्रा के मार्ग पर नेम प्लेट विवाद और ओबीसी आरक्षण जैसे प्रमुख विषयों पर हो। बीजेपी और उसके सहयोगी दल भी अभी कशमकश में हैं।

उधर, राज्यपाल आनंदीबेन का कार्यकाल 29 जुलाई को समाप्त हो रहा है। इसी दिन विधानसभा सत्र की शुरुआत भी होगी, और नए राज्यपाल की नियुक्ति या कार्यकाल का विस्तार इसी दिन से पहले पूरा करना होगा। यूपी के इतिहास में किसी भी राज्यपाल को लगातार दो कार्यकाल नहीं मिले हैं, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि आनंदीबेन पटेल को केंद्र की मोदी सरकार विस्तार देती है या नया राज्यपाल नियुक्त करती है। अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से जीतने के बाद विधायकी पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे विधानसभा में नए नेता प्रतिपक्ष का चुनाव होना है। शिवपाल सिंह यादव, इंद्रजीत सरोज और रामअचल राजभर जैसे नाम इस पद के लिए सामने आ रहे हैं। 29 जुलाई का दिन उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो प्रदेश की राजनीतिक दिशा और संभावनाओं को आकार देगा।

मदन राठौड़ बने राजस्थान के नए प्रदेश अध्यक्ष.....सीएम और डिप्टी सीएम ने दी बधाई

जयपुर ।(एजेंसी)

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेमचंद बैरवा सहित कई भाजपा नेताओं ने राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सीएम शर्मा ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा श्री राठौड़ को भाजपा राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने पर शुभकामनाएं देकर कहा कि निःसंदेह इनके ऊर्जावान नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ प्रदेश में सफलता के नवीन मानक स्थापित करेगी। उन्होंने ईश्वर से उनके उत्कृष्ट कार्यकाल के लिए मंगलमय कामना की। मुख्यमंत्री ने भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल को राजस्थान प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव विजया राहटकर को राजस्थान प्रदेश सह प्रभारी नियुक्त किए जाने पर उन्हें भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस तरह श्रीमती दिया कुमारी ने श्री राठौड़ को भाजपा राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि श्री राठौड़ के कुशल नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा। श्रीमती दिया कुमारी ने डॉ. अग्रवाल को राजस्थान प्रदेश प्रभारी एवं श्रीमती विजया राहटकर को राजस्थान का प्रदेश सह-प्रभारी नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं दी। श्री बैरवा ने भी श्री राठौड़ को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इनका अनुभव, ऊर्जा एवं अभिव्यक्ति कौशल निःसंदेह राजस्थान प्रदेश में संगठन को सुदृढ़ता प्रदान करेगा।

दुनिया की 73.3 करोड़ आबादी खाली पेट सोने को मजबूर, पिछले 5 वर्षों में 233 करोड लोग कुपोषण के शिकार

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र संघ की पांच एजेंसियों द्वारा रिपोर्ट जारी की गई है। द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन 2024 की रिपोर्ट में विश्व खाद्य सुरक्षा की स्थिति पर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। कॉविड-19 के पहले जो स्थिति थी। उससे भयावह स्थिति में 2024 मे हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में हर 11 इंसान मे 1 इंसान खाली पेट सोने के लिए मजबूर हो गया है। दुनिया के देशों में 73.3 करोड़ लोगों को भरपेट भोजन नहीं मिल पा रहा है। इतनी बड़ी आबादी अल्प पोषण के शिकार है।2019 में ऐसे लोगों की संख्या मात्र 15.2 करोड़ थी। संयुक्त राष्ट्र संघ की इस रिपोर्ट में अफ्रीका के देशों की स्थिति इसमें सबसे ज्यादा खराब है। यहां हर पांचवा व्यक्ति भुखमरी का शिकार है। दुनिया की नामी गिरामी कंपनियों द्वारा जिस तरह से खाद्य पदार्थों विक्रय किये जा रहे हैं। उनके 90 फ़ीसदी उत्पाद कुपोषण को बढ़ाने वाले साबित हो रहे हैं। पेकफूड के उत्पाद कुपोषण बढ़ा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 233 करोड़ आबादी को पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भोजन प्राप्त करने के लिए उन्हें नियमित रूप से संघर्ष करना पड़ रहा है। दुनिया के 86.4 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा से गुजर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार सारी दुनिया के देश कुपोषण के मामले में 2008-09 की तुलना में काफ़ी नीचे चले गए हैं। पिछले 15 वर्षों में हालत में सुधार होने थे। उससे भी खराब स्थिति में दुनिया के देश पहुंच गए हैं। दुनिया के लिए यह चिंता का सबसे बड़ा विषय बन गया है।

उत्तरी जापान में बाढ़ व भूस्खलन से सैकड़ों लोग बेघर, शरण लेने को मजबूर

टोक्यो। देश ही नहीं इस बार बारिश ने कई दशों में तबाही मचा रखी है। उत्तरी जापान में भी भारी बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से आवागमन बाधित हो गया है और सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हैं। जापान मौसम विभाग ने यामागाटा और अकिता प्रांत के कई शहरों के लिए चेतावनी जारी की है। इन शहरों में अब तक गर्म हवाएं चलने के कारण उमस से लोग परेशान थे। जापानी पीएम फूमियो किशिदा ने प्रभावित इलाकों के लोगों से मौसम संबंधी जानकारियों पर लगातार नजर बनाए रखने और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। अकिता प्रांत के युजावा शहर में एक व्यक्ति सड़क निर्माण स्थल पर भूस्खलन की चपेट में आने के बाद लापता बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युजावा में बचाव कर्मियों ने नाव की मदद से बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से 11 प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकाला है। यामागाटा प्रांत में सबसे त्यादा प्रभावित युजा और सकाटा कस्बों में एक घंटे में चार इंच से ज्यादा बारिश हुई। क्षेत्र के हजारों लोगों को ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी गई। हालांकि, शरण लेने वाले लोगों की संख्या के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है। पूर्वी जापान यामागाटा शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवाएं आंशिक रूप से निलंबित कर दी गई हैं। यहां भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया और लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया।

साइबर हमले के लिए उत्तर कोरियाई का हैकर जिम्मेदार!

वाशिंगटन। संघीय अभियोजकों ने घोषणा की कि उत्तर कोरिया की सैन्य खुफिया एजेंसियों में काम करने वाले एक व्यक्ति पर अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की साइबर सेल में सेंध लगाने की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि कंसास में एक 'ग्रैंड जूरी' ने रिम जोंग ह्योक को हिरासत में लिया है जिस पर फिरौती के पैसे को वैध बनाने और उस धन का इस्तेमाल दुनिया भर में रक्षा, प्रौद्योगिकी और सरकारी संस्थाओं पर अतिरिक्त साइबर हमलों के लिए करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर हैकिंग के कारण मरीजों के उपचार में बाधा आई।

पाकिस्तान चुनाव आयोग ने इमरान की पार्टी के 39 सदस्यों को माना सांसद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने आरक्षित सीटों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इमरान खान की पार्टी के 39 निर्वाचित उम्मीदवारों को सांसद के तौर पर अधिसूचित किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को जेल में बंद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को महिलाओं और गैर-मुस्लिमों के लिए नेशनल असेंबली और प्रांतीय विधानसभाओं में आरक्षित सीट हासिल करने के योग्य घोषित किया था। पीटीआई को संसदीय दल घोषित करने के बाद बड़ी राहत मिली थी। अधिकतर जजों ने पाया कि चुनाव आयोग ने उल्लेखित नेशनल असेंबली के पीटीआई के 80 में से 39 सदस्य पार्टी से संबद्ध हैं। शेष 41 सदस्यों को 15 दिन में चुनाव आयोग को बताना होगा कि उन्होंने आठ फरवरी का आम चुनाव पीटीआई के उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था। आयोग ने पिछले सप्ताह कोर्ट के आदेश के पालन का फैसला किया था।

हर साल डूबने से करीब 236,000 लोगों की मौत... डब्ल्यूएचओ का आंकड़ा

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की दक्षिण पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक साइमा वाजेद ने बताया कि दुनिया भर में हर साल डूबने से करीब 236,000 लोगों की मौत होती है। यह आंकड़ा प्रतिदिन 350 या प्रति घंटे 26 है। हर साल 25 जुलाई का दिन वर्ल्ड ड्राउनिंग प्रिवेंशन डे के रूप में मनाया जाता है। क्षेत्रीय निदेशक ने कहा, 2019 में दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में डूबने से 70,034 लोगों की जान चली गई, इससे यह दुनिया भर में डूबने से होने वाली मौतों में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बन गया। उन्होंने कहा, डूबना एक अचानक और खामोश मौत है। अधिकांश घटनाएं निगरानी की कमी, खतरनाक जल निकायों के संपर्क में आने, अपर्याप्त जागरूकता और गरीबी के कारण घरों के पास होती हैं। वाजेद ने कहा कि इसके लिए कई निवारक उपाय मौजूद हैं जो इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। वाजेद ने कहा, डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम में हम सभी की भूमिका आवश्यक है, चाहे जागरूकता बढ़ानी हो, प्रभावी समाधानों के बारे में जानकारी को बढ़ावा देना हो, स्थानीय या राष्ट्रीय सरकारों के साथ रोकथाम योजनाओं और नीतियों पर सहयोग करना हो, संबंधित संगठनों के साथ स्वयं सेवा करनी हो या पानी के आसपास व्यक्तिगत और पारिवारिक सुरक्षा सुनिश्चित करनी हो, हममें से हर कोई इसमें बदलाव ला सकता है।

कनाडा के टूरिस्ट शहर जेसपर में जंगल की आग पहुंच गयी जिसके बाद दमकलकर्मियों को लोगों को बचाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

हैरिस की नेतन्याहू को दो टूक... गाजा में मासूमों की हत्या पर चुप नहीं रहूंगी

वॉशिंगटन। अमेरिका में जारी राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मी के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कमला हैरिस से मुलाकात की। मुलाकात में कमला हैरिस ने हमास के द्वारा बंधक बनाए गए अमेरिकी नागरिकों के मुक्त करवाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने नेतन्याहू को दो टूक कहा कि गाजा में मासूमों की हत्या पर वे चुप नहीं रहेंगी। उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि तत्काल बातचीत के जरिए युद्धविराम की जरूरत है।

नेतन्याहू से मुलाकात के बाद हैरिस ने कहा कि गाजा में युद्धविराम जरूरी है। यहां लाखों की संख्या में मासूमों की जान पर बनी है और वे भुखमरी के शिकार हैं। हैरिस ने कहा कि वह गाजा के लोगों की दिक्कतों को लेकर चुप नहीं रहेंगी। हैरिस ने कहा कि इजरायल को अपने बचाव का अधिकार है लेकिन बीते 9 महीने में जो कुछ भी हुआ वह बेहद खतरनाक और विनाशकारी है। बता दें कि गाजा युद्ध से डेमोक्रेटिक पार्टी में भी इस मामले को लेकर दो धड़े बन गए हैं। हालांकि कमला का बयान पार्टी में बैलेंस बनाने वाला लगता है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस ने कहा कि सभी लोग आतंकवाद, हिंसा, इस्लामोफोबिया और हेट की आलोचना करते हैं। हालांकि मानवता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। गाजा में 20 लाख लोग भुखमरी के शिकार हैं। इससे पहले नेतन्याहू ने जो बाइडेन से भी मुलाकात की थी।

भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' का आधार है आसियान, लाओस में राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग पर खुलकर बोले जयशंकर

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत के लिए, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान) उसकी एक्ट ईस्ट नीति और उसके इंडो-पैसिफिक दृष्टिकोण की आधारशिला है। आसियान-भारत के विदेश मंत्रियों की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत के लिए, आसियान उसकी एक्ट ईस्ट नीति और उसके बाद बने इंडो-पैसिफिक दृष्टिकोण की आधारशिला है। हमारे लिए आसियान के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोगों से लोगों के बीच संबंध भी ऐसे ही हैं जिनका हम लगातार विस्तार करना चाह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत आसियान को कितनी प्राथमिकता देता है, यह पिछले साल हमारे अपने जी-20 शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर प्रधान मंत्री मोदी की जकार्ता यात्रा से स्पष्ट था। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने 12-सूत्रीय योजना की घोषणा की थी जिस पर काफी हद तक काम किया गया है। उन्होंने कहा कि यह जानना उत्साहजनक है कि भारत-आसियान साझेदारी हर गुजरते दिन के साथ और अधिक आयाम हासिल कर रही है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा जयशंकर कि लाओस यात्रा का विशेष महत्व है क्योंकि यह वर्ष भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का प्रतीक है, जिसकी घोषणा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में 9वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की थी।

'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' विभिन्न स्तरों पर विशाल एशिया-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक राजनयिक पहल है। भारत एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र की परिकल्पना करता है, जो नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर बना हो। आसियान के 10 सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया हैं। इससे पहले शुक्रवार को जयशंकर ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की और शिक्षा, कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशांत द्वीप समूह और क्रिकेट पर चर्चा की।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की कब होगी वापसी? नासा ने दिया स्पेस स्टेशन से चिपके बोइंग स्टारलाइनर का अपडेट

वाशिंगटन (एजेंसी)। पिछले डेढ़ महीने से अंतरिक्ष में फंसी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर नासा ने नया अपडेट दिया है। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर जुलाई में पृथ्वी पर नहीं लौटेंगे। नासा ने कहा कि उनके बोइंग कैप्सूल में आई दिक्कतों को इंजीनियर के दूर करने तक वे आईएसएस पर ही रहेंगी। स्टारलाइनर टीम अब अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए डेटा की समीक्षा कर रही है। न्यू मैक्सिको में नासा की व्हाइट सैंड्स टेस्ट सुविधा में आरसीएस थ्रस्टर परीक्षण ने मूल कारण मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की और नाममात्र अनडॉक और लैंडिंग के लिए उड़ान तर्क को अंतिम रूप देने में मदद की।

संवाददाता सम्मेलन के दौरान स्टारलाइनर कार्यक्रम प्रबंधक और उपाध्यक्ष मार्क नैप्पी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे पास चालक दल को वापस लाने के लिए एक अच्छा वाहन है। टीम ने इस सप्ताह के अंत में 28 आरसीएस थ्रस्टर्स में से 27 को गर्म करने की योजना बनाई है, जबकि अंतरिक्ष यान अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में सुरक्षित रूप से डॉक किया गया है। इस परीक्षण का उद्देश्य थ्रस्टर्स के प्रदर्शन को सत्यापित करना और अतिरिक्त हीलियम रिसाव डेटा इकट्ठा करना है, जो 6 जून को अंतरिक्ष यान के आगमन के बाद से स्थिर बना हुआ है।

रवानगी के एक दिन बाद छह जून को 'कैप्सूल' के अंतरिक्ष स्टेशन के पास पहुंचने पर पांच थ्रस्टर में गड़बड़ी आ गई। तब से चार को फिर से चालू किया जा चुका है। स्पेस शटल के सेवा से हटने के बाद, नासा ने अंतरिक्ष यात्रियों की अंतरिक्ष स्टेशन पर आवाजाही के लिए निजी कंपनियों को काम पर रखा है, जिसके लिए बोइंग और स्पेसएक्स को अरबों डॉलर का भुगतान किया गया है। यह बोइंग की पहली परीक्षण उड़ान थी जिसमें चालक दल सवार था। स्पेसएक्स 2020 से मानव को अंतरिक्ष में ले जा रहा है।

कमला हैरिस अपने प्रतिद्वंदी ट्रंप को हरा देंगी, ओबामा को नहीं है यकीन

-बराक का सपोर्ट हैरिस की जीत-हार में निभा सकता है बड़ा रोल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जोर पकड़ता जा रहा है और सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस इस चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को हराने के लिए जी जान से जुटी हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने खुद इस चुनाव से पीछे हटते हुए कमला हैरिस को सपोर्ट किया है और आज फिर उनकी तारीफ करते हुए उन्हें वोट देने की अपील की।

बाइडन के इस ऐलान के बाद ज्यादातर डेमोक्रेट्स नेता तुरंत ही हैरिस के पीछे खड़े हो गए। हालांकि इसमें सबसे खटकने वाली बात यह है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अब तक उन्हें लेकर कोई बयान नहीं दिया है। एक रिपोर्ट में बाइडन परिवार के एक करीबी सूत्र ने बताया गया कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को यकीन नहीं है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस रिपब्लिकन प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप को हरा पाएंगी। इसलिए उन्होंने इस चुनाव में हैरिस का समर्थन करने से परहेज किया है। वैसे डेमोक्रेट्स समर्थकों में बराक ओबामा की आज भी काफी अपील मानी जाती है। ऐसे में उनका सपोर्ट हैरिस की जीत-हार में बड़ा रोल निभा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ओबामा परेशान हैं, क्योंकि वह जानते हैं कि कमला हैरिस जीत नहीं सकती हैं, इसमें यह भी कहा गया है कि वह अयोग्य हैं। वह आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। हालांकि अमेरिकी इतिहास में यह पहला मौका था, जबकि राष्ट्रपति चुनाव से इतने दिन पहले टीवी डीबेट रखा गया। आमतौर पर ऐसे डीबेट चुनाव प्रचार के आखिरी दिनों में होते हैं। वहीं बाइडन समर्थन का दावा है कि मौजूदा राष्ट्रपति को रेस से बाहर करने के लिए जानबूझकर यह किया गया था। बाइडन परिवार के करीबी सूत्र ने आशंका जताई कि ट्रंप के खिलाफ टीवी डीबेट में हैरिस भी नहीं टिक पाएंगी। उन्होंने शक जताया कि इजरायल, फिलिस्तीन और यूक्रेन जैसे मुद्दों पर वह गलत बयान दे सकती हैं। अपनी बात रखते हुए ही वो कोई न कोई गलती कर बैठेंगी।

म्यांमार के एनएसए से मिले अजीत डोभाल, द्विपक्षीय बैठक में हुई अहम बातचीत

(एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और उनके म्यांमार समकक्ष एडमिरल मो आंग के बीच एक बैठक में म्यांमार में हिंसा और अस्थिरता के परिणामों के बारे में भारत की चिंताओं पर चर्चा हुई। डोभाल बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) के सदस्य देशों के सुरक्षा प्रमुखों की बैठक में भाग लेने के लिए म्यांमार में हैं। यह 2021 में जुंटा द्वारा तख्तापलट के बाद किसी वरिष्ठ भारतीय पदाधिकारी की म्यांमार की पहली यात्राओं में से एक है। पिछले साल अक्टूबर में कई सशस्त्र समूहों द्वारा समन्वित आक्रमण शुरू करने के बाद से जुंटा को प्रतिरोध बलों और लोगों की रक्षा बलों के हाथों अपमानजनक सैन्य हार का सामना करना पड़ा है।

आक्रामक को जुंटा के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि 1 फरवरी, 2021 को तख्तापलट में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद से म्यांमार में व्यापक हिंसा देखी जा रही है। चूंकि प्रतिरोध बलों ने सैन्य पदों पर कब्जा कर लिया है और प्रमुख व्यापारिक पदों पर कब्जा कर लिया है। भारत, बांग्लादेश और चीन से लगी सीमाओं पर, पूर्वोत्तर राज्यों पर पड़ने वाले असर को लेकर नई दिल्ली में चिंताएं बढ़ गई हैं। म्यांमार में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि डोभाल बिम्सटेक सुरक्षा प्रमुखों की चौथी वार्षिक बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो शुक्रवार को नेपीता में हो रही है।

भारतीय दूतावास ने कहा कि उन्होंने म्यांमार के एनएसए एडमिरल मो आंग से मुलाकात की, और बिम्सटेक सुरक्षा प्रमुखों ने प्रधान मंत्री वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की। डोभाल की अपने म्यांमार समकक्ष के साथ बैठक में म्यांमार में सुरक्षा स्थिति के बारे में भारत की चिंताओं पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि भारतीय पक्ष ने म्यांमार में हिंसा और अस्थिरता का भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों पर प्रभाव को उठाया।

नाटो देशों की तरह भारत को टेक्नोलॉजी और हथियार मुहैया कराएगा अमेरिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वॉशिंगटन(ईएमएस)। बीते रोज अमेरिकी सीनेट में लाए गए विधेयक में कहा गया है कि भारत की सुरक्षा के लिए अमेरिका को तत्पर रहने की जरुरत है। पाकिस्तान से आ रहा आतंकवाद और चीन से जुड़े सीमा विवाद जैसे मुद्दों पर भारत का सहयोग करना चाहिए। साथ ही प्रस्तावित विधेयक में ये भी कहा गया है कि अमेरिकी सरकार को भारत के साथ ठीक वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा कि वह अपने शीर्ष सहयोगियों के साथ करता है। जिस तरह अमेरिका नाटो के सहयोगियों के साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और उनकी संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं ठीक वैसे ही हमें भारत के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

विधेयक को प्रस्तुत करने के बाद रुबियो ने कहा,कम्युनिस्ट चीन लगातार अपनी विस्तारवादी नीति से इंडो पैसेफिक में अपनी सीमाओं का विस्तार करने की कोशिश कर रहा है। इस क्षेत्र में चीन की इन हरकतों को सुधारने के लिए हमें भारत के साथ-साथ अपने सभी सहयोगियों की हरसंभव मदद करने की जरूरत है।

रुबियो द्वारा लाया गया यह बिल भारत और अमेरिका के रिश्तों को आगे बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है लेकिन इस समय अमेरिका में चुनावी महौल है। समय की कमी और कांग्रेस के आपसी विभाजन के कारण इस विधेयक के आगे बढ़ने की संभावना न के बराबर है। लेकिन इस बात से यह साफ है कि अमेरिका की दोनों पार्टियां भारत के साथ रिश्तों को मजबूत करने को महत्व देती हैं। ऐसे में इस बिल को अगली कांग्रेस में फिर से पेश किया जा सकता है। विधेयक में कहा गया कि कम्युनिस्ट चीन का मुकाबला करने के लिए भारत और अमेरिका की साझेदारी महत्वपूर्ण है। ऐसे में हमें अपनी साझेदारी को मजबूत करने के लिए नई दिल्ली के साथ अपने रणनीतिक, राजनयिक, आर्थिक और सैन्य संबंधों को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही इस विधेयक के अनुसार, अमेरिका भारत की क्षेत्रीय अखंडता के लिए बढ़ते खतरों के जवाब में उसका समर्थन करेगा। और भारत के विरोधियों को रोकने के लिए भारत की हर संभव मदद भी करेगा इसके साथ ही वह अमेरिका रक्षा,नागरिक अंतरिक्ष के संबंध में भारत के साथ सहयोग करेगा।

पाकिस्तान को इस मामले में दो टूक कह देंगे कि यदि वह भारत के खिलाफ किसी भी तरह के आतंक में शामिल होता है तो उसको मिल रही तमाम सहायता और सुरक्षा को तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाएगा। यह पहली बार है जब अमेरिकी कांग्रेस में इस तरीके का भारत-केंद्रित विधेयक पेश किया गया हो, जिसमें भारत को अपने नाटो सहयोगी के स्थान पर रखने और काट्सा प्रतिबंधों से छूट देने और भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने पर पाकिस्तान पर प्रतिबंध की बात कही गई हो।

इस कानून के पारित होने के बाद, यह भारत को रूसी सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए सीएएटीएसए प्रतिबंधों से एक सीमित छूट प्रदान करेगा जो वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जाते हैं। इसके साथ ही कांग्रेस जल्दी से जल्दी भारत की जरूरतों के हिसाब से सैन्य हथियार और सेवाओं को तैयार करने में और उनकों भारत तक पहुंचाने में अपनी भूमिका को निभाएगा। विधेयक के अनुसार यह अमेरिका के हित में हैं कि भारत के पास खतरों को रोकने की आवश्यक क्षमताएं हों। इस लिए भारत के साथ भी नाटो सहयोगियों जैसा व्यवहार करना चाहिए, जिसमें साथी देशों को हथियारों के साथ-साथ टेक्नोलॉजी भी प्रदान की जाती है। भारत के साथ एक समझौता किया जाए और उसे दो वर्षों के लिए अतिरिक्त सैन्य सामग्री देना चाहिए।

किसान आन्दोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

(लेखक-ललित गर्ग)

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है।

विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा।

असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है। जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी की सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी। लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं। लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

संपादकीय

मिसाइल सुरक्षा

बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के निर्माण में भारत का आगे बढ़ना सुखद और स्वागतयोग्य है। यह देश के लिए खुशखबरी है कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को 5,000 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों को नाकाम करने की क्षमता का सफल परीक्षण किया है। बुधवार सुबह से ही बालासोर, ओडिशा के समुद्री तट के आसपास के गांवों में बड़ी हलचल थी कि वैज्ञानिक कोई बड़ा प्रयोग करने जा रहे हैं। अनेक गांव खाली करा लिए गए थे, लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ ही उन्हें आर्थिक मुआवजा भी दिया गया था। बुधवार देर शाम ही यह स्पष्ट हुआ कि आसमान में उड़ती दुश्मन की मिसाइल को जमीन से मार गिराने की क्षमता का सफल परीक्षण किया गया है। यह भारत की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के दूसरे चरण की सफलता का अवसर है। मतलब जल्द ही, भारत अपने महत्वपूर्ण शहरों, ठिकानों के आसपास ऐसा मिसाइल सुरक्षा तंत्र स्थापित करेगा, जिससे दुश्मन की ओर से आ रही किसी भी खतरनाक मिसाइल को आसमान में ही नष्ट किया जा सके। अपनी विशाल आबादी की रक्षा के लिए भारत के पास यह सुरक्षा तंत्र होना ही चाहिए। परीक्षण भी बहुत दिलचस्प ढंग से किया गया। पहले एक मिसाइल को दुश्मन की मिसाइल की तरह दागा गया और उसके बाद जमीन व समुद्र में तैनात भारतीय राडारों ने उस मिसाइल का तत्काल पता लगाया और चार मिनट के भीतर ही जमीन से जवाबी बैलिस्टिक मिसाइल ने उड़ान भरी और टारगेट से हवा में ऊपर ही जा टकराया। वैसे तो भारत कम दूरी, मध्यम दूरी और बहुत लंबी दूरी की मिसाइल बनाने में सक्षम है, पर आज के समय में मिसाइल बनाना जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक मिसाइलों से बचने की क्षमता विकसित करना भी है। इस परीक्षण में सबसे बड़ी सफलता दुश्मन की मिसाइल का पता लगाने की क्षमता है, जिसे साल 2006 से ही मुकम्मल करने की कोशिश में भारतीय वैज्ञानिक लगे हुए हैं। भारत अपने बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा कार्यक्रम के पहले चरण को पूरा कर चुका है, जबकि दूसरे चरण में नई श्रेणी के इंटरसेप्ट सिस्टम को पुख्ता करने का काम चल रहा है। कम दूरी की मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता भारत के पास पहले से ही है और अब 5,000 किलोमीटर दूर से आने वाली मिसाइलों को भी नष्ट करने की क्षमता भारतीय सेना की ताकत को नए मुकाम पर पहुंचा देगी। चूंकि भारत की नीति कभी भी पहले हमला करने की नहीं रही है, इसलिए भी उसे मिसाइलों का जवाब देने में सक्षम होना चाहिए। आगे के लिए यह मानकर चलना चाहिए कि जब भी युद्ध होगा, भारत का मुकाबला मिसाइलों की बौछार से होगा, अत- उनसे सुरक्षा का कवच तैयार करना समय की मांग है। भारत ने एस-400 नाम का मिसाइल सुरक्षा कवच रूस से लिया है। अभी कुछ और की आपूर्ति होनी है। वास्तव में, हमें अपना पुख्ता मिसाइल सुरक्षा कवच विकसित करना चाहिए। ताजा सूचना है, युद्ध में लगा रूस अब भारत की जरूरतों पर भी ध्यान देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मास्को यात्रा के बाद रक्षा आपूर्ति में तेजी आ रही है। रूस हमें 120 मिसाइलें देने वाला है। ये सारी मिसाइलें हमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकानों के आसपास तैनात करनी होंगी। बहरहाल, भारतीय रक्षा पंक्ति का भविष्य उज्ज्वल है और इसके लिए हमें पूरी तेजी से काम करना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

सच्चाई का जीवन जियें – संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

यदि हम परमात्मा के पास वापिस जाने के आध्यात्मिक मार्ग पर चल रहे हैं तो हमें सच्चाई के सभी पहलुओं को विकसित करना होगा। यदि हम परमात्मा की ज्योति को दर्शाने वाला साफ दर्पण बनना चाहते हैं तो उसमें कोई दोष नहीं होना चाहिए। हमारे शब्द, विचार, कर्म और आचरण ऐसा होना चाहिए जैसे कि परम संत कृपाल सिंह जी महाराज ने फरमाया था, "सच ऊँचा है लेकिन सच्चा सुच्चा जीवन उससे भी ऊँचा है।" सच्चाई का पालन करने से न केवल हमारे आध्यात्मिक विकास में तेजी होगी बल्कि हम उन लोगों के लिए भी एक उदाहरण होंगे जो परमात्मा के पास वापिस जाने के मार्ग की खोज कर रहे हैं। ऐसे कई सहायक कार्य हैं जो हमारे अंदर सच्चाई के गुण को विकसित करेंगे। पहला, हमें यह जानना है कि शायद कभी-कभी हम दूसरों से सच्चाई छुपा सकते है लेकिन पिता-परमेश्वर से नहीं। पिता-परमेश्वर सब जानते हैं और वे हर वक्त हमें देख रहे हैं। हम शायद ऐसा सोच सकते हैं कि हम परम शक्तिशाली परमात्मा के आगे इतने तुच्छ हैं कि वे हमारी चिंता क्यों करें? लेकिन परमात्मा हर जीव की, एक घास के तिनके से लेकर पृथ्वी पर चलने वाले बड़े-बड़े पशुओं के बारे में सब कुछ जानते हैं। हम परमात्मा की अदृश्य निगाहों से बच नहीं सकते क्योंकि परमात्मा हर जीव के अंतर में समाए हुए हैं। यदि हम यह सच जान जायें कि परमात्मा सदा हमारे साथ हैं तो फिर हम महसूस करेंगे कि हम चाहे जो भी सोचें, बोलें या करें, हम दूसरों से छुपा सकते हैं लेकिन पिता-परमेश्वर हमारे हर कार्य से अवगत हैं।

दूसरा सहायक कार्य जो सच्चाई का गुण धारण करने में है, वह यह है कि हम अपनी असफलताओं के बारे में ईमानदार हों। हम अपनी गलतियों को दूसरों के सामने छुपा सकते हैं लेकिन हम खुद से इन्हें नहीं छुपा सकते। अपनी गलतियों को नज़रअंदाज करके या उनके लिए कई बहाने बनाकर हम अपनी आध्यात्मिक प्रगति को विकसित नहीं कर सकते। यदि हम पिता-परमेश्वर के साम्राज्य में दाखिल होने के लिए खुद को काबिल बनाना चाहते हैं तो हमें अपनी आत्मा पर लगे सब दाग-धब्बे साफ करने होंगे। हमें पिता-परमेश्वर वैसे ही देखते हैं जैसे हम वास्तव में हैं। एक बार जब हम अपनी गलतियों और असफलताओं को स्वीकार कर लेते हैं तब हमारे कदम पिता-परमेश्वर से नज़दीक जाने के लिए बढ़ते हैं।

जब हम अच्छे से तैयार होकर किसी डॉक्टर के पास जाँच के लिए जाते हैं तो हम जानते हैं कि डॉक्टर हमारे रक्तचाप, हमारे नब्ज़ और हमारे अंदुरूनी अंगों को जाँचते हैं, उन्हें हमारी बाहरी वेषभूषा में कोई रूचि नहीं होती है। इसी तरह हम परीक्षा के समय जब अच्छे से तैयार होकर स्कूल जाते हैं, तब हम जानते हैं कि शिक्षक केवल हमारे परीक्षा के परिणाम में रूचि रखते हैं न कि हमारे बाहरी पहनावे में। इसी तरह पिता-परमेश्वर भी अपने सच्चे घर में दाखिल करने के लिए हमें काबिल बनाना चाहते हैं। इसके लिए पिता-परमेश्वर हमारे सच्चे रूहानी स्वभाव व आत्मा को देखते हैं और हमारे चरित्र में जो अवगुण हमारी रूहानी तरक्की में रूकावट पैदा करते हैं, उन्हें दूर करना चाहते हैं। हालाँकि हम नम्र होने का या अपनी सफलताओं पर अभिमान का दिखावा कर सकते हैं लेकिन परमात्मा हमारी वास्तविकता को अच्छी तरह जानते हैं।

यदि हम ईमानदारी से खुद की जाँच करें और खुद की वैसे ही आलोचना करें जैसे दूसरों की करते हैं तो हम अपनी गलतियाँ ढूंढकर उन्हें सुधारने की कोशिश करेंगे। इसका यह मतलब नहीं है कि हमें खुद को हराना, निराश या चिंतित करना है। इसके विपरीत हम यह स्वीकार करते हैं कि हमने गलती की है और जानते हैं कि इंसान गलतियों का पुतला है। फिर खुद को बदलने की एक योजना बनाते हैं, जिससे हम वह गलतियाँ दुबारा नहीं दोहराते हैं। एक बार अपनी गलतियों को जानकर सुधारने के बाद हमें उन्हें भूलकर खुद को क्षमा करना चाहिए।

सच्चाई के गुणों से समाज में सम्मान प्राप्त होता है। इससे हमारे रिश्ते सुधरते हैं और हम दूसरों को ज़्यादा सुनहरा जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। यदि विपरीत परिस्थितियों में लोग जब हमें धोखा देते हैं, हमारे साथ चालाकी करते हैं, यदि फिर भी हम सच्चाई के सिद्धांतों पर कायम रहते हैं, तब हम इस कहावत को अच्छे से समझ पाएंगे कि "अंत में सच्चाई की ही जीत होती है।"

आईये, हम अपने जीवन में सच्चाई के गुणों को विकसित करने का प्रण लें। हम अपने हर व्यवहार, आजीविका की कमाई में ईमानदारी रखें। हम अपनी वास्तविक स्थिति को जानें ताकि हम अपने जीवन में वह सुधार ला सकें, जो हमें पिता-परमेश्वर और अपने लक्ष्य के नज़दीक लेकर जाएगा।

विचार मंथन

खनिजों पर टैक्स लगाने का अधिकार मिला राज्यों को

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट की 9 सदस्य वाली खंडपीठ ने 8+1 से फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने इस फैसले में स्पष्ट किया गया है। रॉयल्टी, टैक्स के दायरे में नहीं आती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व के एक फैसले में कहा था, कि रॉयल्टी भी एक टैक्स है। जिसे 09 सदस्यों की संवैधानिक खंडपीठ ने सही नहीं माना है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक खंडपीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है, कि सरकार को जो भी भुगतान किया जाता है उसे टैक्स नहीं माना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक खंडपीठ ने गुरुवार को जो फैसला दिया है, उसके अनुसार संविधान ने खनिज और खदानों से निकलने वाले उत्पाद और खनिज भूमि पर राज्य सरकारों के अधिकार को माना है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है, कि राज्यों को रॉयल्टी वसूल करने का संवैधानिक अधिकार है। रॉयल्टी को टैक्स नहीं माना जा सकता है। नौ जजों की संविधान पीठ ने इस मामले की सुनवाई की थी। इसमें एक जज बीवी नगरत्ना का फैसला अलग था। उनके फैसले में यह कहा गया है, कि राज्यों को खदानों और खनिज वाली भूमि पर टैक्स लगाने का अधिकार नहीं है। वहीं आठ जजों का फैसला है, कि राज्यों का यह संवैधानिक अधिकार है। आठ जजों ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है, कि संविधान की सूची 2 की प्रविष्टि 50 के अनुसार संसद के पास खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अब स्पष्ट हो गया है कि रॉयल्टी को टैक्स के दायरे के अंतर्गत नहीं लाया जा सकता है। खनिज भूमि और खनिज उत्पाद पर राज्य सरकारों का अधिकार है। रॉयल्टी एक अधिकार है। रॉयल्टी पर सरकार, पट्टेदाता और जमीन मालिक का अधिकार होता है। इस भुगतान को टैक्स के दायरे में नहीं रखा जा सकता है। संविधान पीठ के नौ जजों की पीठ ने इस विवादास्पद मुद्दे पर केंद्र एवं राज्य सरकारों का पक्ष काफी सूक्ष्मता के साथ सुना। कई दिनों तक सुप्रीम कोर्ट में इसकी सुनवाई होती रही। इसमें विवाद का विषय रॉयल्टी और खनिज भूमि केंद्र एवं राज्य के अधिकार को लेकर सुनवाई हो रही थी। खनिज अधिनियम 1957 के तहत टैक्स और रॉयल्टी की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट को करनी थी। देश की सभी खनिज भूमि पर राज्य सरकारों का अधिकार है। राज्य सरकारों को इस मामले में रॉयल्टी वसूल करने का भी अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सबसे ज्यादा फायदा राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखंड, पश्चिम बंगाल जैसे उन राज्यों को होगा, जहां बड़ी मात्रा में खनिज सम्पदा उपलब्ध है। इस फैसले के बाद राज्यों को कानून बनाने और खनिज उत्पाद पर रॉयल्टी वसूल करने का अधिकार प्राप्त हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में अभी यह सुनवाई चल रही है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट को यह फैसला देना है, कि यह अधिकार राज्यों को कब से प्राप्त होगा। राज्यों द्वारा पूर्ववर्ती समय से रॉयल्टी वसूल करने की मांग की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट को यह निर्णय देना है, कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय भूतलक्षी होगा या भविष्य में लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राज्यों का आर्थिक आधार मजबूत होगा। केंद्र एवं राज्यों के रिश्ते भी मजबूत होंगे। इसके साथ ही रॉयल्टी और टैक्स की जो परिभाषा दी गई है, इसका असर केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ निजी अधिकारों के लिए भी सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला बड़ा महत्वपूर्ण साबित होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस विवाद पर लंबे समय तक सुनवाई करके संविधान और विभिन्न कानून के हर पहलुओं पर विचार किया है। इस सुनवाई में केंद्र एवं राज्य सरकारों के अधिकार को लेकर भी गहन सुनवाई है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से खनिज मामलों को लेकर जो विवाद केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच में चले आ रहे थे, इसमें केंद्र एवं राज्य सरकारों के अलावा निजी भूमि के मालिक भी शामिल होते थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अब बहुत सारे विवाद निपट जाएंगे।

गहरी जड़ वाली फसल के बाद उथली जड़ वाली फसल- इस क्रम से फसलों को बोने से भूमि के विभिन्न स्तरों से पोषक तत्वों का समुचित उपयोग हो जाता है। अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल- खेत में लगातार अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाते रहने से मिट्टी जल स्तर ऊपर आ जाएगा। पौधों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है एवं अन्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं।

खेती की एंटीबायोटिक फसलें

फसल चक्र का तरीका

प्रायः फसल चक्र एक से लेकर तीन वर्ष तक के लिए तैयार किया जाता है। अतः फसल चक्र अपनाते समय निम्न सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिए।

दलहनी फसलों के बाद अदलहनी फसलें- दलहनी फसलों की जड़ों में ग्रंथियां पाई जाती हैं जिनमें राइजोबियम जीवाणु पाये जाते हैं। ये जीवाणु वायुमण्डलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं जिससे भूमि की उर्वराशक्ति में वृद्धि होती है जो कि आगे बोई जाने वाली फसलों के लिए उपयोगी होती है।

गहरी जड़ वाली फसल के बाद उथली जड़ वाली फसल- इस क्रम से फसलों को बोने से भूमि के विभिन्न स्तरों से पोषक तत्वों का समुचित उपयोग हो जाता है।

अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल- खेत में लगातार अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाते रहने से मिट्टी जल स्तर ऊपर आ जाएगा। पौधों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है एवं अन्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं।

अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसल के बाद कम पोषक तत्व चाहने वाली फसल- अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसलें लगातार एक ही भूमि में लगाते रहने से भूमि की उर्वराशक्ति का ह्रास शीघ्र हो जाता है एवं खेती की लागत बढ़ती चली जाती है। अतः अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसलों के बाद कम पोषक तत्व चाहने वाली फसलों को उगाना चाहिए।

अधिक कर्षण क्रियायें या भूपरिष्करण चाहने वाली फसल के बाद कम क्रियायें चाहने वाली फसल- इस प्रकार के फसल चक्र से मिट्टी की सरंचना ठीक बनी रहती है एवं लागत में भी कमी आती है। इसके अलावा निराई-गुड़ाई में उपयोग किये जाने वाले संसाधनों का दूसरा फसलों में उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

दो तीन वर्ष के फसल चक्र में खेत को एक बार खाली या पड़त छोड़ा जाये- फसल चक्र में भूमि को पड़त छोड़ने से भूमि की उर्वरता में हो रहे लगातार ह्रास से बचा जा सकता है। परती मिट्टी में नाइट्रोजन अधिक मात्रा में पायी जाती है। अतः अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसल से पूर्व खेत को एक बार खाली अवश्य छोड़ना चाहिए।

दूर-दूर पंक्तियों में बोई जाने वाली फसल के बाद घनी बोई जाने वाली फसल- वर्षा के दिनों में सघन एवं भूमि को आच्छादित करने वाली फसल लगाने से मिट्टी क्षरण कम होता है जबकि दूर-दूर पंक्तियों में बोई गई फसल से मिट्टी का कटाव अधिक होता है। अतः ऐसी फसलों का हेरफेर होना चाहिए जिससे मिट्टी कटाव एवं उर्वरता ह्रास को रोका जा सके।

दो तीन वर्ष के फसल चक्र में एक बार खरीफ में हरी खाद वाली फसल- हरी खाद के द्वारा भूमि में 40-50 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टर स्थिर होती है। इसके लिए सनई, ढ़ेंचा आदि फसलों का उपयोग किया जा सकता है।

फसल चक्र में साग-सब्जी वाली फसल का समावेश होना चाहिए- किसान की घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सफल चक्र में साग-सब्जी वाली फसल का समावेश होना चाहिए।

फसल चक्र में तिलहनी फसल का समावेश होना चाहिए- घर की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ऐसा फसल चक्र तैयार करना चाहिए जिसमें एक फसल तेल वाली हो।

एक ही प्रकार की कीट व बीमारियों से प्रभावित होने वाली फसलों को लगातार एक ही खेत में नहीं बोना चाहिए- एक ही फसल तथा उसी समुदाय की फसलों को एक ही क्षेत्र या एक ही स्थान पर लगातार बोते रहने से कीटों व बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है।

फसल चक्र ऐसा होना चाहिए कि वर्ष भर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग होता रहे- फसल चक्र निर्धारण के समय यह ध्यान रखना चाहिए कि किसान के पास उपलब्ध संसाधनों जैसे भूमि, श्रम, पूंजी, सिंचाई इत्यादि का वर्ष भर सदुपयोग होता रहे एवं किसान की आवश्यकताओं की पूर्ति फसल चक्र में समावेशित फसलों के द्वारा होती रहे।

फसल चक्र को प्रभावित करने वाले कारक

भूमि संबंधी कारकः भूमि संबंधी कारकों में भूमि की किस्म, मिट्टी प्रतिक्रिया, जल निकास, मिट्टी की भौतिक दशा आदि आते हैं। ये सभी कारक फसल की उपज पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

सिंचाई के साधन- सिंचाई जल की उपलब्धता के अनुसार फसल चक्र अपनाना चाहिए।

किसान की आर्थिक दशाः किसानों की आर्थिक स्थिति का भी फसल चक्र पर प्रभाव पड़ता है। किसान के पास पूंजी एवं संसाधनों की स्थिति को देखते हुए फसल चक्र में ऐसी फसलों का समावेश किया जाना चाहिए जो किसान को अधिकतम लाभ दें।

बाजार की मांगः बाजार की मांग के अनुरूप फसलें ली जानी चाहिए जैसे शहर के नजदीक वाली भूमियों में साग-सब्जी वाली फसलों को प्राथमिकता देना चाहिए।

आवागमन के साधनः आवागमन के समुचित साधन उपलब्ध होने से फसल चक्र में सुविधा के अनुसार फसलों का समावेश करना चाहिए।

श्रमिकों की उपलब्धताः कृषि में श्रमिकों का मुख्य कार्य होता है। यदि श्रमिक आसानी से व पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं तो सघन फसल चक्र अपनाया जा सकता है तथा फसल चक्र में नगदी फसलों को समावेशित कर लाभ लिया जा सकता है।

खेती का प्रकारः यदि पशु पालन खेती का मुख्य अवयव है तो ऐसी जगह चारे वाली फसलें की जाये।

किसान की घरेलू आवश्यकताएंः किसान को अपनी घरेलू आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर फसल चक्र अपनाना चाहिए।

दलहन की पुख्ता सुरक्षा

फसलों से कम पैदावार मिलने के अनेकों कारण हैं जिनमें फसल की खड़ी अवस्था पर आक्रमण करने वाले हानिकारक कीटों की भूमिका मुख्य है। अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि इन कीड़ों से फसल की सुरक्षा का उचित प्रबंध किया जाये।

चने की फली भेधकः पहचान- यह दलहनी फसलों का अत्यंत हानिकारक कीट है जो कि देश के सभी भागों में पाया जाता है तथा वर्षभर सक्रिय रहता है। यह एक बहुभक्षी कीट है। प्रौढ़ शलभ मजबूत एवं हलके भूरे रंग का होता है अगले जोड़ी पंखों पर बिन्दु होते हैं जो कि धारीदार रेखाएं बनाते हैं तथा ऊपर की तरफ काले रंग के धब्बे पाये जाते हैं। पिछले जोड़ी पंख सफेद हल्के रंग के होते हैं। इस कीट की सुंडी के शरीर पर धारियां होती हैं। ये सुंडियां जिस फसल को खाती हैं उसी तरह का रंग ग्रहण कर लेती है।

प्रबंधन

- चने की फसल कटते ही ग्रीष्मकालीन जुताई कर दें ताकि उसमें मौजूद प्यूपा आदि तेज धूप में मर जाये। सुंडियों का पकड़ कर नष्ट करें।
- फसल के आस-पास प्रकाश प्रपंच एवं फेरोमेन प्रपंच लगाकर प्रौढ़ अवस्था को पकड़ कर नष्ट किया जा सकता है। इन प्रपंचों की संख्या एक हेक्टेयर में 20 हो।
- प्रथम, द्वितीय व तृतीय अवस्था की सुंडियों को नियंत्रित करने के लिए न्यूक्लीयर पाली हायड्रोसिस वायरस (एनपीव्ही) का 350 एलई प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- कार्बोरिल 10 प्रतिशत अथवा मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूल का 20-25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से फसल पर भुरकाव करें।
- क्विनालफस/ मिथोमिल की 500 मिली/ एकड़ 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिनों के अंतर में दो छिड़काव करें।

कटुआ सुंडी- पहचान- यह चने की सुंडियां नई-नई पत्तियों को खाती है। यह अपना रंग पत्तियों जैसे बना लेती हैं। इस कीट का व्यस्क धूसर रंग का होता है जो कि अधिक उड़ने वाला होता है। इसको चने का कटुआ भी कहते हैं। यह कीट एक विचित्र प्रकार का कीट है। इसका पतंगा बहुत अधिक तेज उड़ने वाला कहा जाता है।

प्रबंधन

- जब खेत खाली हो उस समय खेत की गहरी जुताई करें ताकि जमीन में मौजूद प्यूपा आदि बाहर आकर नष्ट हो जाये।
- छोटे खेतों में/ प्रारंभिक अवस्था में सुंडी का प्रकोप होने पर हाथ से पकड़ कर नष्ट करें।
- खेतों में प्रकाश प्रपंच लगाकर वयस्क पतंगों को आकर्षित करके नष्ट किया जा सकता है।
- मैलाथियान 5 प्रतिशत अथवा कार्बोरिल 10 प्रतिशत धूल का 20-25 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अरहर का प्ररोह मोड कीट

पहचान- इस कीट का पतंगा छोटा, गहरे भूरे रंग का होता है तथा इसकी सुंडी छोटी, हल्के पीले रंग की होती है। सर्वप्रथम सुंडियां पत्तियों की बाह्य त्वचा को खुरचकर खाती है तथा बाद में पत्तियों को मोड़कर अंदर रहकर खाना प्रारंभ कर देती है। सुंडियों मध्यम आकार की चिकनी एवं सफेद पीले रंग की होती है। यह कीट मार्च तथा अप्रैल में खेत में आ जाता है तथा अगस्त माह में अत्यधिक संख्या में पाया जाता है।

प्रबंधन

- मुड़ी हुई पत्तियों को हाथ से तोड़कर नष्ट कर दें।
- फसल पर मिलाथियान 20 ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

अरहर की फल मक्खी

पहचान- प्रौढ़ मक्खी धात्विक हरे रंग की होती है। इसका आकार छोटी, आंखें त्रिभुजाकार, बड़ी तथा हरे रंग की होती है। मादा में जनन शंकु लम्बी होती है। इस कीट के सक्रिय रहने का समय मार्च-अप्रैल होता है।

प्रबंधन-

- प्रारंभिक अवस्था में इस कीट से ग्रसित फलियों को तोड़कर नष्ट कर दें।
- परजीवी मित्र कीट यूडेरस ऐग्रोयाइजी व इलोफिड को संरक्षित करें।
- डायमिथियेट या मिथाइल डिमेटान की 400 मिली/ एकड़ के हिसाब से 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिनों के अंतर में दो छिड़काव करें।

खिल उठेगा गेंदा

पावडरी मिलड्यू

इस बीमारी के कारण पत्तियों, शाखाओं एवं पुष्प कलियों पर सफेद फफूंदी का जमाव होता है। जो बाद में भूरे रंग का हो जाता है। जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है। और अन्ततः पौधा सूख जाता है। इस बीमारी का प्रकोप फरवरी माह से प्रारंभ होता है।

उपचार

रोग की रोकथाम हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

विषाणु रोग (वायरस)

इस बीमारी के प्रकोप से पत्तियों पर हरे रंग का चितकबरा पड़ जाता है। जिससे पत्तियां मुड़ जाती हैं तथा पुष्प बहुत कम या छोटे आकार के लगते हैं। आमतौर पर इसका प्रसारण संपर्क, हाथो, फसल के अवशेषों , कृषि के यंत्रों तथा कीट द्वारा होता है।

उपचार

रोगोर 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 800 से 1000 लीटर पानी का घोल बनाकर प्रति हेक्टर खड़ी फसल में छिड़काव करें।

गेंदा फसल में निम्नलिखित प्रमुख कीट लगने की संभावना होती है

माइट (मकड़ी)- गेंदा फसल पर पत्तियों की निचली सतह पर लाल रंग की मकड़ी जाला बनाकर रहते हैं। जो पत्तियों तथा पुष्प कलिकाओं/फूलों से रस चूसते रहते हैं। जिससे पत्तियां पीली पड़कर सूख जाती हैं। तथा पुष्प कलिका खिल नहीं पाती पत्तियों पर बना हुआ जाला पौधे की बढ़वार में बाधक होता है।

उपचार- इसकी रोकथाम हेतु रोगोर 0.3 प्रतिशत या मेलाथियान 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव पत्तियों के दोनों तरफ करें।

बडबोरर (कलिका वेधक)- इस कीट की इल्लियां पुष्प कलिकाओं में छिद्र करके घुस जाती हैं व अन्दर ही अंदर पुष्प की पंखुड़ियों को खा जाती है। जिससे पुष्प खिल नहीं पाते हैं। एवं पुष्पों का बाजार भाव कम हो जाता है।

उपचार- ग्रसित कलिकाओं / पुष्पों को एकत्र करके नष्ट कर दें। इल्लियों को हाथ से पकड़कर नष्ट किया जा सकता है। फसल समाप्त होने पर खेत की गहरी जुताई करके प्यूपा को नष्ट कर दें। फसल पर प्रकोप दिखाई देते ही क्विनालफास 0.7 प्रतिशत का छिड़काव आवश्यकतानुसार करें।

हापर (फुदका)- इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों की मुलायम का रस चूसते हैं। फलस्वरुप पत्तियां सिकुड़ जाती है। जो बाद में पीली पड़कर गिर जाती हैं।

उपचार- कीट के नियंत्रण हेतु प्रकाश प्रपंच खेतों में लगायें चाहिए। फसल में कीट का प्रकोप दिखाई देने पर रोगोर/ डेमोक्रान 0.5 प्रतिशत का घोल का छिड़काव 10-15 दिन के अंतर में 2-3 बार करें।

मारुति सुजुकी ने इगनिस का नया मॉडल लांच किया

नई दिल्ली । मारूति सुजुकी ने ऑल्टो से लेकर बलेनो तक कई हैचबैक कार को बाजार में उतारा है। इन हैचबैक कार के लाइनअप में इगे निस मॉडल भी शामिल है, जिसे कई लोग मारुति की यूरोपियन कार कहते हैं। इगे निस मॉडल को मारुति ने भारतीय बाजार में साल 2017 में लॉन्च किया था। पिछले कुछ सालों में इसकी सेल में गिरावट देखी गई। इसी गिरावट को रोकने के लिए अब मारुति ने इगे निस के नए रेडिएंस संस्करण को बाजार में लॉन्च किया है जो कि अपने रेगुलर मॉडल से लगभग 35 हजार रुपये सस्ता है। कार में मस्कुलर बोनट, प्रोजेक्टर हेडलैंप, रूफ रेल्स और सिल्वर स्किड प्लेट्स है, वहीं यह 15 इंच के स्पोर्टी डुअल टोन अलॉय व्हील्स के साथ आती है। वहीं कार में आपको एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, ड्राइवर सीट के हाइट एडजेस्टर के साथ और भी कई फीचर्स मिलते हैं। वहीं कार की सेफ्टी के लिए इसमें डुअल फ्रंट एयरबैग, रियर पार्किंग कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम और रियर पार्किंग सेंसर मिलता है। कंपनी का कहना है कि ये कार 20.89 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है।

शोभा लिमिटेड में पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी अनामुडी

नई दिल्ली । गोदरेज परिवार की कंपनी अनामुडी रियल एस्टेट्स बेंगलुरू स्थित शोभा लिमिटेड में अपनी पांच प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। इसकी मौजूदा बाजार कीमत करीब 1,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। शेयरधारिता के अनुसार अनामुडी रियल एस्टेट्स की शोभा लिमिटेड में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शोभा लिमिटेड का कुल बाजार पूंजीकरण करीब 20,000 करोड़ रुपये है। सूत्रों के अनुसार गोदरेज परिवार ने शोभा लिमिटेड में अनामुडी रियल एस्टेट्स की कुल हिस्सेदारी का आधा हिस्सा बेचने के लिए बैंकरों की नियुक्ति की है। शेयरों की बिक्री शुक्रवार को शेयर एक्सचेंज पर ब्लॉक समझौते के जरिए किए जाने की संभावना है।

सनस्टार का शेयर 15 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । पेड़-पौद्यों से विशेष उत्पाद बनाने वाली कंपनी सनस्टार लिमिटेड का शेयर निर्गम मूल्य 95 रुपये से करीब 15 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.40 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इसके बाद यह 33.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 126.50 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 14.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी को निर्गम के आखिरी दिन मंगलवार को 82.99 गुना अभिदान मिला था। इसके 510 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 90 से 95 रुपये प्रति शेयर तय था।

मैनकाइंड फार्मा 13,630 करोड़ में भारत सीरम्स खरीदेगी

नई दिल्ली। मैनकाइंड फार्मा ने कहा कि वह लगभग 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का पूर्ण अधिग्रहण करेगी। मैनकाइंड फार्मा ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने लगभग 13,630 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स (बीएसवी) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौता किया है। वह एडवेंट इंटरनेशनल से यह हिस्सेदारी हासिल करेगी। कंपनी ने कहा कि यह रणनीतिक कदम मैनकाइंड फार्मा को भारतीय महिला स्वास्थ्य और प्रजनन दवा बाजार में एक दिग्गज के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा।

1855 करोड़ रुपये जुटाने आईपीओ ला रही ये दवा कंपनी

मुंबई ।

अनुबंध मैन्यूफैक्चरिंग के द्वारा दवा बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी है एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड। दिल्ली की कंपनी ने इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के द्वारा प्राथमिक बाजार से 1855 करोड़ रुपये जुटाने की कवायद शुरू की है। इसके लिए बोली लगाने की प्रक्रिया आगामी 30 जुलाई को शुरू होगी। इसमें निवेशक आगामी एक अगस्त तक बोली लगा सकते है। कंपनी ने इसके लिए दो रुपये के शेयर का मूल्य दायरा 646 रुपये से 679 रुपये के बीच तय किया है। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स के प्रोमोटर संजीव और संदीप जैन हैं। इस आईपीओ के द्वारा कंपनी 1866 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। इसमें 680 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू होगा जबकि इसके वर्तमान शेयरहोल्डर्स और प्रोमोटर्स ऑफर फोर सेल के जरिये 1.73 करोड़ शेयर बेच रहे है। यदि प्राइस बैंड के अपर प्राइस के हिसाब से गणना की जाए, तब ओएफएस के जरिये 1175 करोड़ रुपये जुटाये जाएंगे। ओएफएस में संजीव 15.12 लाख शेयर और संदीप जैन भी इतने ही शेयर बेच रहे है। वर्तमान में कंपनी का कुल मार्केट वैल्यू करीब 10,000 करोड़ रुपये है। कंपनी की दो सब्सिडियरी कंपनी है, जिनके नाम हैं मैक्सक्योर नेचुरावेदिक्स और प्योर एंड क्योर हेल्थकेयर। इस आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग इन कंपनियों के ऋण को चुकाने में होगा। बाजार नियामक सेबी के पास जमा रिवाइज्ड डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक कंपनी ने इश्यू का 75 फीसदी हिस्सा के लिए आरक्षित किया है। इश्यू का 15 फीसदी हिस्सा और 10 फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है। इसमें 15 करोड़ रुपये के शेयर कर्मचारियों के लिए रिजर्व रखा गया है। उन्हें हर शेयर पर 64 रुपये का डिस्काउंट भी मिलेगा। इस आईपीओ में 22 शेयरों का लॉट तय किया गया है। मतलब कि निवेशकों को कम से कम 22 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी। इससे ऊपर 22 शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकती है। इसमें आवदेन करने वालों को अलॉटमेंट का बेसिस दो अगस्त को तय कर दिया जाएगा। इसके बाद असफल आवेदकों को रिफंड भी जारी कर दिया जाएगा। आगामी पांच अगस्त को शेयर अलॉटीज के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। आगामी छह अगस्त को एकम्स ड्रग्स के शेयर बीएसई और एनएसई में लिस्ट करा दिए जाएंगे।

टेक महिंद्रा के शेयर छह प्रतिशत गिरे

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी सेवाप्रदाता टेक महिंद्रा के शेयर में शुक्रवार को लगभग छह प्रतिशत की गिरावट आई। कंपनी की अप्रैल-जून तिमाही की आय में 1.2 प्रतिशत की गिरावट के बाद उसके शेयर में गिरावट आई है। बीएसई पर शेयर 5.52 प्रतिशत गिरकर 1,445.50 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 5.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,444.25 रुपये पर रहा। सेंसेक्स और निफ्टी में सूचीबद्ध कंपनियों में सबसे अधिक गिरावट कंपनी के शेयर में ही आई। टेक महिंद्रा ने शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी थी। उसके अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 851 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि, आलोच्य अवधि में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 13,005 करोड़ रुपये रहा।

डीएलएफ मुनाफा बढ़कर 645.61 करोड़ हुआ

मुंबई । चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में डीएलएफ का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 645.61 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में उसका मुनाफा 527 करोड़ रुपये था। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में तीन गुना होकर 6,404 करोड़ रुपये हो गई। लक्जरी आवास संपत्तियों की मजबूत मांग से यह वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 2,040 करोड़ रुपये की संपत्ति बेची थी। डीएलएफ ने समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 17,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में उसने करीब 15,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की थी। कंपनी की नवीनतम निवेशक प्रस्तुति के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग में वृद्धि की मुख्य वजह गुरुग्राम के सेक्टर 76/77 में स्थित लक्जरी परियोजना डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट रही जिसमें 5,600 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। डीएलएफ ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 645.61 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में उसका मुनाफा 527 करोड़ रुपये था। अप्रैल-जून अवधि में कुल आय बढ़कर 1,729.82 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,521.71 करोड़ रुपये थी। डीएलएफ भारत का अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर है और इसका सात दशकों से अधिक का सफल रिकॉर्ड है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,293 , निफ्टी 428 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आये उछाल से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,292.92 अंक करीब 1.62 फीसदी ऊपर आकर 81,332.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 428.75 अंक तकरीबन 1.76 फीसदी बढ़कर 24,834.85 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 29 शेयर लाभ पर बंद हुए। भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और इंफोसिस सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। भारती एयरटेल 4.51 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ सबसे अधिक लाभ में रही। इसके अलावा सन फार्मा, एचसीएल टेक, एमएंडएम, आईटीसी, टाटा मोटर्स, टाइटन, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनैंस, एसबीआई, इंडसइंड, एशियन पेंट्स, टीसीएस, पावर ग्रिड, एलएंडटी, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचयूएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल एक शेयर ही नुकसान पर बंद हुआ। ये शेयर नेस्ले इंडिया का था। इसमें 0.07 फीसदी की हल्की गिरावट रही।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, शंघाई और हांगकांग ऊपर आये जबकि टोक्यो में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार भी ऊपर आया है। गत दिवस अमेरिकी बाजार में गिरावट रही।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,605.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला और सेंसेक्स 119 अंक चढ़कर 80,158 पर जबकि निफ्टी-50 भी 17 अंक की बढ़त लेकर 24,423 अंक पर पहुंच गया। बीएसई सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा 2 फीसदी से ज्यादा गिर गया। साथ ही इंडसइंड बैंक, मारुति और एलएंडटी के शेयर भी गिरावट में रहे जबकि भारती एयरटेल 2 फीसदी बढ़ गया।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का परिचालन राजस्व 47 प्रतिशत बढ़ा

अहमदाबाद ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने अप्रैल-जून तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए। साल-दर-साल आधार पर कंपनी का परिचालन राजस्व 47 प्रतिशत बढ़कर 5,379 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, कर भुगतान के बाद का लाभ 315 करोड़ रुपये रहा जो 73 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्शाता है।

अदाणी समूह की कंपनी ने बताया कि उसका ऑपरेशनल ईबीटीडीए 1,628 करोड़ रहा जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 29.7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी 2050 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए दहानू पावर प्लांट को अलग कर रही है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना ने कहा, एईएमएल और एमयूएल के अपने वितरण क्षेत्रों में बिजली की मांग में तेज बढ़ोतरी के साथ एईएसएल की नई लाइनों की कमीशनिंग पर लगातार फोकस कर रहा है। मुंबई में नवीकरणीय ऊर्जा की पहुंच 37 प्रतिशत हो चुकी है।

कंपनी ने बताया कि राजस्व में तेज वृद्धि के कारकों में परिचालन में शामिल नई ट्रांसमिशन परिसंपत्तियों का योगदान, निर्माणाधीन परियोजनाओं में अतिरिक्त लाइनों को जोड़ना और मुंबई तथा मुंद्रा के वितरण कारोबार में बिजली की मांग बढ़ने से बेची गई यूनिटों में बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटरिंग कारोबार से प्राप्त आय शामिल है।

कंपनी ने बताया कि मुंबई के वितरण कारोबार में बिजली की मांग आठ प्रतिशत बढ़ी। वहीं, डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 5.18 प्रतिशत के निचले स्तर पर रहा और विश्वसनीय तथा सस्ती बिजली आपूर्ति के कारण नये उपभोक्ताओं के जुड़ने से उपभोक्ताओं की कुल संख्या 32 लाख पर पहुंच गई। ट्रांसमिशन सेगमेंट में हाल की तिमाहियों में कंपनी की पाइपलाइन में कई परियोजनाएं शामिल हुई हैं और ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए उसका ऑर्डर बुक 17 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने बताया कि पूरे देश में बढ़ती ऊर्जा मांग के अनुरूप अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई में बिजली की मांग (बेची गई इकाई) वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में साल-दर-साल आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 296.2 करोड़ इकाई पर पहुंच गई।

टाटा पावर ने बैंक ऑफ इंडिया के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली । टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड (टीपीएसएसएल) ने छतों पर सौर पैनल लगाने और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के साथ साझेदारी की है। टीपीएसएसएल की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि टाटा पावर सोलर सौर और ईवी चार्जिंग स्टेशन वित्तपोषण दोनों के लिए बीओआई के साथ सहयोग करने वाली पहली सौर कंपनी बन गई है। कंपनी ने इसके साथ ही हरित ऊर्जा समाधान प्रदाता के रूप में अपने नेतृत्व को मजबूत किया है। यह सहयोग छतों पर सौर पैनल स्थापित करने को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल का समर्थन करता है।

साल 2022-23 में 10 में से 7 लोग इंट्राडे ट्रेडिंग में नुकसान में रहे

- इंट्राडे ट्रेडिंग शेयर खरीदने-बेचने वालों की संख्या में भी बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई

नई दिल्ली ।

सेबी के एक अध्ययन में बताया गया कि साल 2022-23 में 10 में से 7 लोगों ने इक्विटी कैश सेगमेंट में इंट्राडे ट्रेडिंग से नुकसान उठाया। वहीं इसी दौरान इंट्राडे ट्रेडिंग शेयर खरीदने-बेचने वाले लोगों की संख्या में भी बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। साल 2018-19 के मुकाबले ये संख्या तीन गुनी से ज़्यादा हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक जिन लोगों को शेयर बाजार में नुकसान हो रहा है वे ज़्यादा कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा 30 साल से कम उम्र के युवाओं की संख्या भी शेयर बाज़ार में तेज़ी से बढ़ रही है। शेयर बाज़ार का नियमन करने वाली संस्था सेबी ने यह रिपोर्ट हाल ही में जारी की। इसमें साल 2018-19, 2021-22 और 2022-23 के आंकड़ों का अध्ययन किया गया है। इसमें कोरोना काल भी शामिल है। इस रिपोर्ट के लिए देश के टॉप 10 ब्रोकरेज हाउस के ग्राहकों के आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इन 10 ब्रोकरेज हाउस के पास देश के कुल शेयर बाज़ार ग्राहकों का लगभग 86 फीसदी हिस्सा है।

इस रिपोर्ट को कई जानकारों ने देखा और सुझाव दिए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि हर तीन में से एक व्यक्ति शेयर बाज़ार में इंट्राडे ट्रेडिंग करता है। इसके अलावा, इस तरह के ट्रेड में 30 साल से कम उम्र के युवाओं की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। साल 2018-19 में ये संख्या 18 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 48 फीसदी हो गई है। अगर कोई व्यक्ति बहुत ज़्यादा कारोबार करता है तो उसके नुकसान होने की संभावना और भी बढ़ जाती है। ऐसे लोगों में से 80 फीसदी लोग घाटे में रहे हैं। साल 2022-23 में नुकसान उठाने वाले लोगों ने अपने नुकसान का 57 फीसदी हिस्सा कारोबार के खर्चों में लगाया, जबकि मुनाफा कमाने वालों ने अपने मुनाफे का सिर्फ 19 फीसदी हिस्सा खर्च किया। इसके अलावा कम उम्र के लोगों में नुकसान उठाने वालों की संख्या ज़्यादा है।

बजट के बाद कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत घटी

नई दिल्ली ।

केद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के बजट पेश होने के बाद कई चीजों के दाम में बदलाव देखने को मिला है। वहीं बजट के बाद कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। हालांकि कीमतों में बदलाव आंशिक है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी आई है तो दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में आज पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि महाराष्ट्र में कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपए प्रति लीटर है। बिहार में पेट्रोल 3 पैसे घटकर 107.09 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे घटकर 93.81 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 10 पैसे घटकर 94.39 रुपए प्रति लीटर और डीजल 11 पैसे घटकर 87.44 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। यहां पेट्रोल 1 रुपए 22 पैसे बढ़कर 105.09 रुपये प्रति लीटर और डीजल 1 रुपए 17 पैसे घटकर 91.59 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

रियलमी की 13 प्रो सीरीज 5जी जल्द होगी पेश

-कई खूबियों से भरपूर है यह स्मार्टफोन

नई दिल्ली ।

अपने 13 प्रो सीरीज 5जी के अपकमिंग लॉन्च के साथ, रियलमी एक्सीलेंस की गारंटी दे रहा है। ब्रांड का प्राइमरी फोकस सभी सेगमेंट में अपने प्रोडक्ट की क्वालिटी में सुधार करना है। 13 प्रो सीरीज 5जी के साथ, रियलमी का लक्ष्य न केवल प्रभावशाली जानकारी देना है, बल्कि क्वालिटी की नींव पर निर्मित प्रीमियम स्मार्टफोन एक्सपीरियंस प्रदान करना है, जो खास तौर से मिड-हाई सेगमेंट में कस्टमर्स की जरूरतों और डिमांड को पूरा करता है। बेहतर क्वालिटी वाले स्मार्टफोन और बेहतर एक्सपीरियंस प्रदान कर रियलमी का लक्ष्य मिड-हाई स्मार्टफोन मार्केट में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। रियलमी एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहां बैटरी की परेशानी न हो, एक ऐसा भविष्य जो ज्यादा कैपेसिटी, स्मार्ट पावर मैनेजमेंट और ऐसी टेक्नोलॉजी से संचालित हो जो आपके लाइफ के साथ चलती रहे। यह केवल परफॉर्मेंस के बारे में नहीं है, यह मजबूती के बारे में है। रियलमी ऐसे डिवाइस बनाने का प्रयास करता है, जो टिकाऊ और पावरफुल हो, जो डेली लाइफ की परेशानियों को आसानी से हल कर सके। कल्पना कीजिए कि आप अचानक बारिश में फंस गए, आपका फ्यूचर रियलमी स्मार्टफोन, अपनी आईपी65 प्लस रेटिंग के साथ, बारिश को ऐसे झेल जाएगा जैसे कुछ भी नहीं हुआ हो। फ्यूचर रियलमी स्मार्टफोन पानी में गिरने के बाद भी पूरी तरह से काम करते रहेंगे। 13 प्रो सीरीज 5जी इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो यूजर्स के फोन गिरने और खरोंच की स्थिति में बचाव करते हुए प्रतिष्ठित एसजीएस फाइव-स्टार फॉल सर्टिफिकेशन का दावा करता है। रियलमी अपने सेल्स सर्विस को अगले लेवल पर ले जा रहा है। 13 प्रो सीरीज 5जी के साथ, रियलमी ने 30-दिन की रिप्लेसमेंट गारंटी पेश की है। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी 30 जुलाई को लॉन्च होगा, जो ब्रांड की जर्नी में एक नया चैप्टर जोड़ेगा और मिड-हाई स्मार्टफोन मार्केट में क्वालिटी के लिए एक नया स्टैंडर्ड स्थापित करेगा। बता दें कि शुरू के दिनों में जब स्मार्टफोन आए थे तब उनकी टेक्नोलॉजी वैसी नहीं थी जो अब है। पहले ब्लर फोटो और सुस्त परफॉर्मेंस से लेकर कमजोर स्क्रीन और शॉर्ट बैटरी लाइफ आम बात होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

सोना 500 रुपए बढ़कर 67,850, चांदी 81,400 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को बड़ी गिरावट के बाद शुक्रवार को सुधार देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 67,850 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 528 रुपये की तेजी के साथ 67,990 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 387 रुपये की तेजी के साथ 67,849 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 331 रुपये की तेजी के साथ 81,662 रुपये पर खुला। इस समय यह 69 रुपये की तेजी के साथ 81,400 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,363.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,353.50 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 18.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,372.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.99 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.97 था। फिलहाल यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 28.01 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

महिला एशिया कप - भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी

दांबुला (एजेंसी)। रेणुका ठाकुर ओर राधा यादव की शानदार गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना के लगाये अर्धशतक की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला एशिया कप क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। भारत की ओर से मंधाना ने 55 जबकि शैफाली वर्मा ने 26 रन बनाये। इस मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 80 रनों पर रोकने के बाद एक भी विकेट गंवाये बिना जीत के लिए मिला 81 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय टीम की जीत में तेज गेंदबाज रेणुका और स्पिनर राधा की भी अहम भूमिका रही। रेणुका ने पारी की शुरुआत में लगातार चार ओवर डालते हुए 10 रन देकर तीन विकेट लेकर बांग्लादेश के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया। वहीं राधा ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। बांग्लादेश की ओर से कप्तान निगार सुल्ताना 32 और शोर्ना अख्तर नाबाद 19 रन ही भारतीय गेंदबाजों का कुछ हद तक सामना कर पाये। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे।

इस मैच में टॉस जीतकर बांग्लादेश का पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत रहा। रेणुका ने पहले ओवर में ही विकेट ले लिया। रेणुका ने दिलारा को आउट कर दिया। उन्होंने अपने अगले दो ओवरों में इश्मा तंजीम और मुर्शिदा खातून को भी पेवेलियन भेज दिया। पावर प्ले में बांग्लादेश की टीम तीन विकेट पर 25 रन ही बना पायी। कप्तान सुल्ताना ने पारी संभालने का प्रयास किया पर वह विफल रहीं। भारतीय गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश के बल्लेबाज बेबस नजर आये।

भारत का क्षेत्ररक्षण भी काफी अच्छा रहा। शेफाली ने छलांग लगाकर एक शानदार कैच पकड़ा। सुल्ताना ने शोर्ना के ने 35 गेंद में 36 रन बनाकर पारी संभालने का प्रयास किया पर इनके आउट होने ही विकेटों की लाइन लग गयी। राधा ने सुल्ताना को आउट कर बांग्लादेश की रही सही उम्मीदें तोड़ दीं।

श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में एक अहम रिकार्ड बना सकते हैं विराट

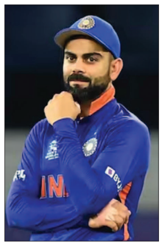

मुम्बई (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विराट इस सीरीज के दौरान ऐसा रिकॉर्ड बना सकते है जो किसी अन्य क्रिकेटर के लिए तोड़ना असंभव की तरह रहेगा। विराट इस सीरीज में 27,000 रन का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

विराट के नाम अभी 53.55 की औसत से 26,884 रन हैं। ऐसे में अगर वह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में 116 रन बनाते हैं तो उनके तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 27 हजार रन हो जाएंगे। यह वो आंकड़ा है, जो अब तक केवल तीन खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर 34357, कुमार संगकारा 28016 और रिकी पोंटिंग 27483 ही हासिल कर पाये हैं।

आज के दौर के क्रिकेटरों की बात करें तो विराट के अलावा एक भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जिसने 20,000 रन बनाए हों। वर्तमान समय के क्रिकेटरों में विराट कोहली के बाद जो रूट 19,355 रनों के साथ दूसरे और रोहित 19,077 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। रूट 33 साल के हैं जबकि रोहित की उम्र 37 साल है। अब अगर ये दोनों खिलाड़ी 40 साल की उम्र तक खेलें तो जो रूट के लिए तो यह संभव है कि वे 27 हजार रन बना लें। रोहित के लिए भी ये काफी कठिन है। रोहित ने अब तक कुल 480 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 43.25 की औसत से 19,077 रन बनाए हैं। उन्हें 27 हजार रन का आंकड़ा हासिल करने के लिए 7923 रन और बनाने होंगे। रोहित को 27 हजार रन तक पहुंचने में करीब चार साल लगेंगे। उनके 40 साल की उम्र तक खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में वह इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच सकते।

शोएब मलिक ने भारतीय टीम से चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने की अपील की

लाहौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावनएं नहीं हैं। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारतीय टीम के मुकाबलों को किसी अन्य जगह पर आयोजित करने की मांग करेगा। शाहिद अफरीदी के बाद अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान दौरे पर आने की अपील की है। माना जा रहा है कि दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही सरकार टीम को सुरक्षा कारणों से पाक जाने की अनुमति नहीं देगी। इसी को लेकर पाक खिलाड़ी निराश हैं और भारतीय टीम से दौरे पर आने को कह रहे हैं। अब पूर्व पाक कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान आने की अपील करते हुए कहा कि खेल को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिये। मलिक ने कहा कि पाक ने भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप में भाग लिया था। ऐसे में अब भारतीय टीम की बारी है। साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो भी परेशानियां हैं, उसे निजी तौर पर हल करना चाहिए। राजनीति को खेल से नहीं जोड़ना चाहिए। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कई खिलाड़ी पाकिस्तान में नहीं खेले हैं तो उनके लिए यह अच्छा मौका होगा। हम बहुत अच्छे लोग हैं। मुझे विश्वास है कि भारतीय टीम यहां जरूर आएगी।

वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारतीय टीम को मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ दिया है। आईसीसी की वार्षिक बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम और प्रारूप पर कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ था। इसमें आगे बताया गया कि पीसीबी ने आईसीसी पर भारत को राजी करने की जिम्मेदारी छोड़ दी है। पीसीबी ने भारत के सभी मैच लाहौर में रखे हैं, जहां चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल और फाइनल भी खेले जाएंगे।

सूर्यकुमार की कप्तानी में श्रीलंका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

पालेकल (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को नये कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस दौरे में श्रीलंका से तीन मैच खेलेगी और गंभीर व सूर्या की जोड़ी का लक्ष्य इसमें टीम को जीत दिलाना रहेगा।

गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह कोच बनाया गया है। गंभीर को अब उनके काम को आगे बढ़ाना होगा। गंभीर को इस दौरे में उनकी मांग के अनुसार टीम दी गयी है। ऐसे में उनकी पहली परीक्षा ये दौरा होगा। इस दौर में सूर्यकुमार को कप्तान बनाया गया है जबकि हार्दिक पंड्या इस पद के स्वाभाविक दावेदार माने जा रहे थे। इसके अलावा कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर मिला है।

भारतीय टीम में यह बदलाव पिछले महीने विश्व कप जीतने तथा रोहित, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आया है। इस सीरीज में उपकप्तानी संभाल रहे शुभमन गिल इसे अपनी जगह पक्की करने के अवसर के रूप में देखेंगे। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह और यहां तक ??कि रियान पराग जैसे अन्य खिलाड़ी भी यही चाहेंगे। अक्षर पटेल टीम में जडेजा की जगह लेने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनके अलावा भारत के पास हार्दिक, शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर जैसे बेहतरीन ऑलराउंडर हैं।

इस दौरे में अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है और ऐसे में गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज पर रहेगी। बल्लेबाजी की जिम्मेदारी शुभमन , सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाजों पर रहेगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम की राह भी आसान नहीं है। उसके दो अनुभवी गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। अब उनकी जगह असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका को टीम में लिया गया है।

श्रीलंकाई टीम इस सीरीज में नये कप्तान चरिथ असलांका और अंतरिम कोच सनत जयसूर्या के मार्गदर्शन में उतरेगी। मेजबान टीम घरेलू हालातों का लाभ उठाकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसके पास दासुन शनाका, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी।

जुबिन से मिली सीख का लाभ उठाएंगे हमारे खिलाड़ी : जयसूर्या

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस निदेशक जुबिन भरूचा से मिली सीख से उनकी टीम भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। साथ ही कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से भी उनकी टीम को लाभ होगा। रोहित और विराट ने टी20 विश्वकप के बाद संन्यास ले लिया था। भारत और मेजबान श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज 27 जुलाई से शुरू होगी। जयसूर्या ने कहा कि टीम के लिए जुबिन के साथ छह दिन का कैंप रखा गया था। जयसूर्या ने कहा, 'हमने एलपीएल के तुरंत बाद ही ये कैंप शुरू कर दिया था। इस दौरान अधिकतर खिलाड़ी एलपीएल में खेल रहे थे पर इसके बाद भी उन्हें जुबिन के पास भेजा गया। साथ ही कहा कि. हमने उनके साथ लगभग छह दिन काम किया। लीगमें खेलने बाद अन्य क्रिकेटर भी उनके साथ जुड़े और उनके अनुभवों से खिलाड़ियों को लाभ भी हुआ है।' जयसूर्या ने कहा कि भरूचा के साथ सत्र काफी गंभीर रहा और खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिला।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं अर्शदीप

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। अर्शदीप ने हाल ही में सीमिल ओवरों के प्रारुप में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 विश्वकप में भी उनकी गेंदबाजी काफी अच्छी रही थी। विश्वकप में अर्शदीप ने 17 विकेट लिए थे। इसी कारण उन्हें अब श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भी शामिल किया गया है। अटकलें हैं कि अर्शदीप को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट क्रिकेट में अवसर मिल सकता है। इसी कारण उन्हें दलीप ट्रॉफी के कुछ मुकाबले खेलने को कहा गया है। अर्शदीप ने 2022 का टी20 वर्ल्ड कप भी खेला था। तब भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। उस समय इस तेज गेंदबाज ने 10 विकेट लिए थे। अर्शदीप को टी20 क्रिकेट खेलते हैं। हालांकि, अब उन्हें वनडे क्रिकेट में भी आगे बढ़ाया जा रहा है। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए अर्शदीप को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। अब उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए भी देखा जा रहा है।

बालाजी के साथ बोपन्ना ओलंपिक में आखिरी बार लगाएंगे जोर, एकल में नागल के सामने कड़ी चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक दल के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 44 वर्षीय रोहन बोपन्ना के पास पिछले ओलंपिक की तरह मजबूत जोड़ीदार नहीं है लेकिन पुरुष युगल में उनके साथ चुनौती पेश करने को तैयार अनुभवी एन श्रीराम बालाजी मुश्किल परिस्थितियों से लड़ना जानते हैं।

एकमात्र पदक

ओलंपिक में भारत का पहला और एकमात्र टेनिस पदक 1996 में आया, जब लिएंडर पेस ने अटलांटा खेलों में एकल कांस्य पदक के साथ इतिहास रचा था। जब महान पेस और महेश भूपति ने एथेंस (2004) और बीजिंग (2008) में एक साथ प्रतिस्पर्धा की थी तब भी भारत ने ओलंपिक पदक नहीं जीता था।

भारत को लंदन 2012 में भी पदक के सूखे का सामना करना पड़ा जब बोपन्ना ने दिग्गज भूपति के साथ जोड़ी बनाई थी। बोपन्ना 2016 रियो ओलंपिक में पुरुष युगल में पेस और मिश्रित युगल में सानिया मिर्जा के साथ खेले लेकिन उनका पदक का सपना तब भी पूरा नहीं हुआ। ये सभी भारतीय टेनिस के सबसे सफल नाम है और इन सबने देश के लिए कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।

बालाजी-बोपन्ना के लिए खेलना

मुश्किल

बालाजी ने हाल ही में युगल में खेलना शुरू किया है। इस भारतीय जोड़ी के लिए पदक जीतना काफी मुश्किल होगा लेकिन उन्होंने रोला गैरां में अभ्यास करने के लिए क्रोएशिया में उमाग टूर्नामेंट को छोड़कर यहां एक साथ अभ्यास करना बेहतर समझा। बोपन्ना ने पेरिस में कुछ यादगार जीत दर्ज की है। उन्होंने इसी स्थान पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था। उन्होंने 2017 में गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ मिश्रित युगल में जीत हासिल की थी।

बोपन्ना ने कहा, 'यह क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के लिए सबसे बड़ा मैदान है। रोलां गैरा में भारत का प्रतिनिधित्व करना बहुत ही खास है। जब भी मैं यहां आता हूं तो वे यादें मेरी मदद करती हैं। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां मैंने उन यादों के कारण हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है।' बोपन्ना उम्र के इस पड़ाव पर शानदार लय में है और पिछले कुछ समय से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। वह बेखौफ हो कर खेल रहे हैं और उनके पास दबाव झेलने की शानदार क्षमता है।

दूसरी ओर बालाजी ने सीमित मौकों पर युगल मैचों में खुद को साबित किया है। उन्होंने डेविस कप में इस्लामाबाद में एकल मैच में दमखम दिखाने के बाद फ्रेंच ओपन में बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की दिग्गज जोड़ी को मैक्सिको के अपने जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वेरेलास के साथ जैसी टक्कर दी वह शानदार था। इन दो प्रदर्शनों ने बोपन्ना को उन्हें जोड़ीदार के तौर पर चुनने के लिए प्रेरित किया।

डेविस कप से संन्यास ले चुके है बोपन्ना

बोपन्ना डेविस कप से संन्यास ले चुके है और एटीपी टूर पर अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर है। ऐसे में उन्हें बालाजी की तरह किसी जोड़ीदार से अच्छा साथ मिलेगा। बालाजी को उनकी सर्विस और तेज-तर्रार खेल के लिए जाना जाता है। वह बोपन्ना के अनुभव के साथ अच्छे से तालमेल बिठायेंगे। बोपन्ना 43 साल की उम्र में एबडेन के साथ 2023 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। वह इसके बाद युगल रैंकिंग में शीर्ष पर भी पहुंचे थे। भारतीय जोड़ी पेरिस में पदक के सपने को पूरा करने के अभियान का आगाज स्थानीय खिलाड़ी एडवर्ड रोजर-वैसलीन और फैबियन रेबौल के खिलाफ करेंगे।

पुरुष एकल में सुमित नागल पर दारोमदार

पुरुष एकल में देश का दारोमदार सुमित नागल पर होगा। नागल ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन किया। वह साल 2023 की शुरूआत में रैंकिंग में शीर्ष 500 में भी नहीं थे। उन्होंने इसके बाद शानदर प्रदर्शन करते हुए कई उलटफेर किये जिसमें एडवर्ड रोजर-वैसलीन और फैबियन रेबौल जैसे नाम शामिल है।

ओलंपिक के एकल वर्ग में मुकाबले में ग्रैंड स्लैम विजेता खिलाड़ी है ऐसे में नागल के लिए अपने अभियान को ज्यादा आगे ले जाना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। वह अपने अभियान की शुरुआत स्थानीय खिलाड़ी कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ करेंगे और अगर शुरुआती बाधा पार करने में सफल रहे तो उनके सामने ऑस्ट्रेलिया के दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी और विंबलडन क्वार्टर फाइनलिस्ट एलेक्स डि मिनौर की चुनौती होगी।

ओलंपिक के लिए गूगल ने बनाया अपना डूडल, नदी में तैरते पक्षी दिख रहे

पेरिस। सर्च इंजन गूगल ने पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए एक डूडल बनाया है। गूगल ने पेरिस में 100 साल बाद ओलंपिक खेलों की वापसी हो देखते हुए ही अपने डूडल को इन खेलों को समर्पित किया है। इसलिए गूगल पर सर्च के दौरान उसके लोगो की जगह पर ये खेलों का डूडल नजर आयेगा। इसलिए आज जब आप गूगल पर जाएंगे तो सामने सबसे पहले एक एनिमिटेड ग्राफिक्स दिखाई देगा। जिसमें नदी में कुछ पक्षी तैर रहे हैं। वहीं जब आप माउस के कर्सर को इस डूडल पर ले जाएंगे तो उस पर लिखा आएगा पेरिस गेम्स बिगिन्स। गूगल पूरी दुनिया में होने वाले घटनाक्रम पर नजर रखता है और उसी के अनुसार अपना डडूल भी बनाता है। ओलंपिक खेल चार साल में होते हैं। इसलिए इन पर पूरी दुनिया की नजरें रहती हैं। ऐसे में गूगल भी इसका जश्न मनाने में पीछे नहीं है। ये ओलंपिक खेल 11 अगस्त तक चलेंगे। इस दौरान दुनिया भर के हजारों खिलाड़ी इन खेलों में अपने कौशल के बल पर पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

टेस्ट सीरीज से पहले दक्षिण अफीका को झटका, तेज गेंदबाज हुआ बाहर, प्रीटोरियस शामिल

पोर्ट ऑफ स्पेन। दक्षिण अफीका को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट दक्षिण अफीका ने कहा है कि कोएत्जी अगले माह सात अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज खेलने तक फिट नहीं हो सकते हैं। इसीलिए उनको टीम में नहीं रखा गया है। कोएत्जी को यह चोट अमेरिका की टी-20 फ्रेंचाइजी लीग मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दौरान ही लगी थी। इस लीग में टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे थे। अब कोएत्जी की जगह मिगेल प्रीटोरियस को टीम में जगह मिली है। प्रीटोरियस ने अभी तक टेस्ट स्तर का कोई मैच नहीं खेला है हालांकि उन्होंने 64 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। प्रीटोरियस को इससे पहले दिसंबर 2020 में श्रीलंका में टेस्ट सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में भी शामिल किया गया था पर वह कंधे में चोट के कारण तब नहीं खेल पाये थे।

पेरिस ओलंपिक में महिला मुक्केबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद : विजेंदर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के एकमात्र ओलंपिक पदक विजेता पुरुष मुक्केबाज विजेंदर सिंह को लगता है कि पेरिस ओलंपिक में देश की पदक की संभावनायें महिला मुक्केबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर होंगी और उन्हें उम्मीद है कि निकहत जरीन की अगुआई वाली टीम कम से कम दो पोडियम स्थान हासिल करेगी। जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मिन लम्बोरिया (57 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) भारतीय महिला टीम में शामिल हैं जबकि अमित पंघाल (51 किग्रा) और पदार्पण कर रहे निशांत देव (71 किग्रा) पेरिस के लिए क्वालीफाई करने वाले दो पुरुष मुक्केबाज हैं।

38 वर्षीय विजेंदर ने कहा कि उन्हें महिला मुक्केबाजों के अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। बीजिंग ओलंपिक 2008 के कांस्य पदक विजेता और भाजपा नेता विजेंदर ने कहा, 'पुरुष मुक्केबाजों के बारे में मैं इतना ज्यादा नहीं जानता लेकिन मैंने महिला मुक्केबाजों के बारे में जो पढ़ा है, उससे उम्मीद जगती है कि लड़कियां अच्छा प्रदर्शन करेंगी, मुझे उम्मीद है कि हमें एक या दो पदक मिलेंगे। यह रजत हो सकता है और शायद स्वर्ण पदक भी हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'ऐसा भी हो सकता है कि महिला मुक्केबाज अभी तक देश को मिले पदकों का रंग बदल दें।'

विजेंदर के अलावा केवल दो अन्य भारतीय महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम (लंदन 2012) और बोरगोहेन (तोक्यो 2021) ही अभी तक ओलंपिक में कांस्य पदक जीत सकी हैं। लेकिन देश का कोई भी मुक्केबाज फाइनल में पहुंचकर स्वर्ण पदक का मुकाबला नहीं खेल पाया है। महिला मुक्केबाजों ने पेरिस ओलंपिक से पहले अच्छा प्रदर्शन किया है जिसमें जरीन और बोरगोहेन 2023 में विश्व चैम्पियन बनीं।

पवार और लम्बोरिया ने एशियाई खेलों के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतें। वहीं अगर पुरुष मुक्केबाजों को देखा जाये तो देव को छोड़कर उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। देव ने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। भारत के पहले पुरुष विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विजेंदर ने कहा, 'इस दफा काफी कम पुरुष मुक्केबाज हैं। पहले हम पांच से छह तक हुआ करते थे लेकिन इस बार बस दो ही पुरुष मुक्केबाज पेरिस गए हैं।'

भारत से सर्वाधिक सात पुरुष मुक्केबाज ही ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकते थे और ऐसा 2012 चरण में हुआ था। 2008 में तब रिकॉर्ड पांच मुक्केबाज क्वालीफाइंग अभियान में शानदार प्रदर्शन के बाद ओलंपिक पहुंचे थे। विजेंदर ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि इसमें इतनी गिरावट क्यों हुई, शायद खुद मुक्केबाज ही इसके बारे में बेहतर तरीके से बता सकते हैं।' तीन बार के ओलंपियन विजेंदर ने अमेच्योर मुक्केबाजी छोड़कर 2015 में पेशेवर मुक्केबाजी में आने का फैसला किया था। उन्होंने इसके बाद अभिनय, रिएलिटी टीवी और राजनीति में भी हाथ आजमाये। उन्हें खेल प्रशासक के तौर पर भी काम करने से गुरेज नहीं है और अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) का चुनाव लड़ने को भी तैयार हैं।

विजेंदर ने कहा, 'अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ का अध्यक्ष बनने को तैयार हूं। मैं चुनाव लड़ना चाहूंगा क्योंकि मैं भारतीय मुक्केबाजों को बेहतर करते हुए देखना चाहता हूं।' साथ ही उन्होंने कहा कि वे युवाओं को खेल के बारे में अच्छी जानकारी दे सकते हैं। विजेंदर ने कहा, 'जो युवा अपने पहले ओलंपिक में हिस्सा ले रहे हैं तो मैं उनके साथ अपने पहले ओलंपिक का अनुभव साझा कर सकता हूं। मैं उन्हें बता सकता हूं कि मैंने भी इन्हीं दिक्कतों का सामना किया था और उन्हें बता सकता हूं कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं।'

उन्होंने कहा, 'अगर मुझे बीएफआई अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने का मौका मिलता है तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। अगर किसी को मेरी मदद चाहिए तो मैं उपलब्ध हूं।' इस समय बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह हैं जो स्पाइसजेट एयरलाइंस के मालिक भी हैं। विजेंदर ने कहा कि मुक्केबाजी एक 'अकेलेपन' का खेल है जिसमें आपको बाहर रिंग में लड़ना पड़ता है जबकि एक द्वंद्व आपके अंदर भी चलता रहता है।

लतीफ ने पंड्या की उपेक्षा पर नाराजगी जतायी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने श्रीलंकाई दौरे के लिए हार्दिक पंड्या को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नहीं बनाये जाने के फैसले को गलत बताया है। लतीफ ने कहा कि जिस प्रकार का तर्क चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने दिया है। वह केवल बहाने बाजी भर है। अगरकर ने कहा था कि पंड्या को खराब फिटनेस के कारण कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं दी है। अगरकर के इस फैसले से लतीफ को निराशा हुई है। उन्होंने कहा है कि फिटनेस का बहाना देकर हार्दिक को कप्तानी नहीं दी गई। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने पंड्या को सर्टिफिकेट दे दिया है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं। उनकी फिटनेस को लेकर अब भी कई सवाल हैं पर अगर देखा जाये तो ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो फिट नहीं हैं लेकिन इसके बाद भी भी वे बहुत अच्छे कप्तान बने हैं। मुझे लगता है कि यह एक बहाना है क्योंकि नये कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम पहले दावेदारी में नहीं था।

शहीद सैनिकों के परिवारों को विशेष सम्मान देने के लिए एक तिरंगा यात्रा और वीरांजलि महारक्तदान शिविर आयोजित किया गया

सूरत। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया की प्रेरक उपस्थिति में, जय जवान नागरिक समिति प्रेरित रोटरी और रोटारैक्ट क्लब ऑफ सूरत ईस्ट ने परिवारों को विशेष सम्मान देने के लिए एक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। वीर शहीद. समर्पण गौरव सम्मान समारोह के तहत कापोद्रा से मिनी बाजार सरदार स्मृति भवन, बीएपीएस टेम्पल ग्राउंड, धारुका कॉलेज के सामने तक आयोजित तिरंगा यात्रा में विधायक कुमार कनानी भी शामिल हुए. फिर सरदार स्मृति भवन में श्री सौराष्ट्र पटेल समाज युवा टीम और द वराछा को-ऑप। बैंक की संयुक्त पहल पर वीरांजलि रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कंपनियों के कर्मचारियों, ज्वेलर्स सहित देशभक्त नागरिकों ने कुल 1000 यूनिट रक्तदान एकत्र कर शहीदों को वीरांजलि अर्पित की.

वराछा के सरदार पटेल स्मृति भवन में शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए आयोजित महारक्तदान शिविर में शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि देशहित में अपना कर्तव्य निभाना भी एक सैनिक का काम है. एक सैनिक की भूमिका वीर चरित्र वाला युवा बनना भी है, यानी एक अच्छा नागरिक, एक अच्छा अधिकारी, समता और सद्भावना वाला एक अच्छा पुलिसकर्मी बनना। युवाओं में राष्ट्र और समाज के हित के प्रति मूल्य और समर्पण, राष्ट्रवाद हमारे जीवन का आधार होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि देश की सीमाओं पर तैनाती सत्ता या संपत्ति के बारे में नहीं है, बल्कि हमारी सुरक्षा के बारे में है. सेना के जवान देशभक्ति के नशे में चूर हैं, तभी तो हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित हैं।

इस समारोह में ब्रिगेडियर बी.एस. मेहता, लेफ्टिनेंट. कर्नल मुकेश राठौड़, लेफ्टि. कर्नल रेखा सिंह, सामाजिक नेता कांजीभाई भलाला, शैलेशभाई लुखी, जयंतीभाई नरोला, मनहरभाई सस्परा, दिनेशभाई सस्परा, रमणीक जपाडिया, सवजीभाई वेकारिया, हरिभाई कथीरिया, सुरेशभाई पटेल और अन्य देशभक्त उपस्थत थे।

सूरत जिला कलेक्टर डॉ. नारी वंदन उत्सव सप्ताह के उपलक्ष्य में सौरभ पारधी की अध्यक्षता में बैठक हुई

सूरत।

'नारी वंदन सप्ताह' के आयोजन के तहत जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभागार में एक बैठक आयोजित की गई. महिला एवं बाल विकास विभाग राज्य की महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने और समाज में गौरव के साथ आगे बढ़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित करता है। जिसके अंतर्गत महिलाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन, कल्याण एवं स्वास्थ्य आदि समग्र विकास के महत्वपूर्ण कारकों के क्षेत्र में सशक्त बनाया जाता है। 01 से 08 अगस्त तक "नारी अभिनंदन सप्ताह" मनाया जायेगा।

1 अगस्त को महिला दिवस, 2 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ दिवस, 3 को महिला स्वावलंबन दिवस, 5 को महिला नेतृत्व दिवस, 6 को महिला कर्म योगी दिवस, 7 को महिला कल्याण दिवस और महिला एवं बाल स्वास्थ्य दिवस मनाया जाएगा। आठवां. कलेक्टर ने नारी वंदन सप्ताह समारोह की योजना के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश एवं मार्गदर्शन दिये।

इस राज्यव्यापी कार्यक्रम में पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग, ग्राम विकास विभाग, खेल युवा और सांस्कृतिक गतिविधि विभाग, जिला उद्योग केंद्र, श्रम और रोजगार विभाग, समाज कल्याण विभाग, कृषि और पशुपालन विभाग, आईसीडीएस शामिल हैं। विभाग सहित

इस मीटिंग में एसीपी महिला सेल क्राइम ब्रांच के. मिनी जोसेफ, जिला महिला एवं बाल अधिकारी राधिकाबेन गमीत, जिला कृषि अधिकारी एस.बी. गमीत, आईसीडीएस विभाग की कोमलबेन ठाकोर और अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

"रंगीलो सावन आयो" सावन सिंधारा का हुआ भव्य आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा सावन महीने के उपलक्ष में "रंगीलो सावन आयो" सावन सिंधारा कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को दोपहर ढाई बजे से सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में किया गया। महिला शाखा की अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि इस मौक़े को हॉल को सावन की थीम पर सजाया गया। आयोजन में लगभग 400 महिलाएँ रंगीले परिधान पहनकर हिस्सा लिया। आयोजन में महिलाओं का भव्य स्वागत किया गया एवं उन्हें सावन की थीम पर विभिन्न प्रकार के गेम खिलाए गए। इस मौक़े पर महिलाओं को मेहंदी लगाई गई एवं नेल आर्ट करवाया गया। महिलाओं ने म्यूजिक पर डांस किया एवं उनकों गिफ्ट भी दिये गए। आयोजन में महिला शाखा द्वारा न्यूमेरोलोजिस्ट को बुलाया गया था। सावन सिंधारा कार्यक्रम में महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, सीमा कोकरा, दीपाली सिंगल, कुसुम सर्राफ़, रेणु गोयल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

सिंगल शॉट टीकाकरण और जागरूकता: हेपेटाइटिस ए संक्रमण से लड़ने के लिए सक्रिय उपाय

सुरत भुमि, सूरत। हाल के वर्षों में, गुजरात को जल-जनित बीमारियों में चिंताजनक वृद्धि का सामना करना पड़ा है, दर्ज मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राज्य ने अकेले 2018 में जल-जनित बीमारियों के 7,325 मामले दर्ज किए, जो 2017 में 3,838 मामलों और 2016 में 3,573 मामलों से काफी अधिक है। इन बीमारियों में, हेपेटाइटिस हमेशा से एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय रहा है, जो जान ले लेता है और निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। हालाँकि, सूरत में एचएवी के मामलों में हालिया गिरावट की प्रवृत्ति लोगों के बीच हेपेटाइटिस के बारे में बढ़ती जागरूकता और नागरिक अधिकारियों द्वारा बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन का संकेत देती है।

उपरोक्त के अलावा, हेपेटाइटिस ए के खिलाफ टीकाकरण की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है, खासकर जल-जनित बीमारियों से ग्रस्त क्षेत्रों में। डॉ. हितेश जे जरीवाला, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ एवं वैक्सीन विशेषज्ञ राज्य, सूरत, कहते हैं, "सिंगल-शॉट हेपेटाइटिस ए टीका सुरक्षित और प्रभावी है और वायरस के खिलाफ दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करता है। व्यक्तियों को संक्रमण से बचाने के अलावा, टीकाकरण समुदाय-व्यापी प्रतिरक्षा में योगदान देता है, जिससे बीमारी की समग्र व्यापकता कम हो जाती है।" यह अनुशंसा की जाती है कि 12 महीने की उम्र के सभी बच्चों को हेपेटाइटिस ए का टीका अवश्य लगाया जाए। खुराक छूट जाने की स्थिति में, माता-पिता को कैच-अप टीकाकरण के लिए अपने बाल रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

हेपेटाइटिस ए मुख्य रूप से दूषित भोजन या पानी के सेवन से फैलता है, जिससे यह स्वच्छता और पानी की गुणवत्ता से समझौता वाले क्षेत्रों में एक प्रचलित चिंता का विषय बन गया है। यह एक वायरल संक्रमण है जो लीवर को प्रभावित करता है, जिससे पीलिया, थकान, पेट दर्द और बुखार जैसे लक्षण होते हैं। वायरस ऐसे वातावरण में पनपता है जहां स्वच्छता और साफ-सफाई अपर्याप्त होती है, जिससे मानसून के मौसम में खतरा बढ़ जाता है, जब जल-जनित वायरस आदर्श प्रजनन स्थल पाते हैं। बच्चों, छात्रावास में रहने वालों और अक्सर बाहर खाना खाने वाले व्यक्तियों के लिए जोखिम और भी अधिक स्पष्ट है।

हेपेटाइटिस ए और अन्य जल-जनित बीमारियों के प्रसार से निपटने के लिए, समुदायों और व्यक्तियों के लिए कड़े निवारक उपाय अपनाना महत्वपूर्ण है। इनमें बेहतर स्वच्छता प्रथाएं शामिल हैं जैसे नियमित रूप से साबुन और साफ पानी से हाथ धोना, सुरक्षित पेयजल तक पहुंच, उचित अपशिष्ट निपटान और स्वच्छ वातावरण बनाए रखना।

हैवमोर #80YearsofHappyMemories अभियान के साथ ग्राहकों को खुश करने के 80 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है

गुजरात। हैवमोर आइसक्रीम लोट्टे वेलफूड कंपनी लिमिटेड का हिस्सा है और पिछले आठ दशकों से अपनी मलाईदार और अनूठी पेशकश से ग्राहकों को खुश कर रही है। कंपनी की 80वीं वर्षगांठ नवाचार में उसके नेतृत्व और आइसक्रीम अनुभव को एक अलग स्तर पर ले जाने का प्रमाण है।

हैवमोर ने 24 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक अपनी पहुंच का विस्तार किया है, 65,000 से अधिक डीलरों का एक विशाल नेटवर्क बनाया है और देश भर में 252 प्रमुख हैवफन पार्लर लॉन्च किए हैं। ब्रांड पिछले कुछ वर्षों में काफी विकसित हुआ है, जिसमें क्लासिक वेनिला से लेकर जुलुबार, चोको ब्लॉक कोन, अमेरिकन नट्स, ताज महल आइसक्रीम, ताज महल, कसाटा और लोकप्रिय आइसक्रीम केक तक अद्वितीय पेशकश पेश की गई है। अब इसमें कोरिया की नंबर वन आइसक्रीम लोटे वर्ल्ड कॉन भी शामिल हो गई है।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए हैवमोर ने आज अहमदाबाद में अपनी विनिर्माण सुविधा में एक विशेष अभियान - #80YearsOfHappyMemories - लॉन्च किया। यह अभियान खुशी के उन क्षणों को संजोता है जिसका हैवमोर दशकों से हिस्सा रहा है। हैवमोर न केवल अपने ग्राहकों को अपनी सबसे प्यारी यादें साझा करने के लिए प्रोत्साहित करके अपनी विरासत का जश्न मनाता है, बल्कि हर स्कूप के साथ मुस्कान फैलाने की अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित करता है। ब्रांड ने अभियान के हिस्से के रूप में उपभोक्ताओं के लिए अमेरिकन नट्स और चॉकलेट कोन पर ऑफर के साथ एक सीमित संस्करण विशेष विंटेज पैक लॉन्च किया है। हैवफन पार्लर के पास ग्राहकों के लिए उनकी पसंदीदा यादों का आनंद लेने के लिए ऑफर भी हैं।

हैवमोर आइसक्रीम के प्रबंध निदेशक कोमल आनंद ने गर्व से कहा, "जैसा कि हम 80 साल पूरे करने के इस विशेष क्षण का जश्न मना रहे हैं, हम आइसक्रीम उद्योग में एक प्रर्वतक के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करना चाहते हैं। हम अपने संरक्षकों के लिए और अधिक यादगार क्षण और अद्वितीय अनुभव बनाने की आशा करते हैं। हम उन ग्राहकों, सहयोगियों, भागीदारों और आपूर्तिकर्ताओं को ईमानदारी से धन्यवाद देते हैं जिन्होंने हैवमोर की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।"

अभियान के बारे में विस्तार से बताते हुए, हैवमोर आइसक्रीम के विपणन प्रमुख, ऋषभ वर्मा ने कहा, "हमारा '80 साल की सुखद यादें' अभियान उस खुशी का जश्न है जो हैवमोर ने लोगों के जीवन में लाया है।" विविध, वास्तविक जीवन की कहानियों को एकत्रित और साझा करके, हमारा लक्ष्य खुशियों का एक इंद्रधनुष बनाना है जो हमारे ब्रांड के सार को दर्शाता है। यह अपने ग्राहकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करने और उनके यादगार पलों का हिस्सा बनने की हमारी प्रतिबद्धता व्यक्त करने का हमारा तरीका है। "

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित एंथे 2024 के लांच के साथ एंथे के 15 गौरवशाली वर्षों का जश्न मनाया

सुरत भुमि, सूरत ।

अपनी प्रमुख छात्रवृत्ति परीक्षा एंथे के गौरवशाली 15 वर्षों को पूरा करते हुए, परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने गर्व से बहुप्रतीक्षित आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम (एंथे) 2024 के लांच की घोषणा की है। एंथे लोकप्रिय और सबसे अधिक मांग वाली परीक्षा है, जो सातवीं-बारहवीं कक्षा के छात्रों को महत्वपूर्ण नकद पुरस्कारों के साथ 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति अर्जित करने का मौका देती है, जिससे उन्हें चिकित्सा या इंजीनियरिंग में एक सफल करियर के अपने सपनों को हासिल करने में मदद मिलती है।

इस वर्ष, इसे विशेष और रोमांचक बनाने के लिए इसमें पांच उत्कृष्ट छात्रों के लिए फ्लोरिडा, यूएसए में कैनेडी स्पेस सेंटर की पांच दिवसीय पूर्ण-खर्च-भुगतान यात्रा शामिल की गई है। फ्लोरिडा में स्थित जॉन एफ कैनेडी स्पेस सेंटर, संयुक्त राज्य अमेरिका में नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के दस फील्ड सेंटरों में से एक है।

एंथे छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को आकाश के व्यापक कोचिंग कार्यक्रमों से लाभ होगा, जो छात्र नीट, जेईई, राज्य सीईटी और एनटीएसई और ओलंपियाड जैसी छात्रवृत्ति परीक्षाओं के लिए तैयारी करते हैं।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के सीईओ और एमडी श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा, "आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम (एंथे) ने अनगिनत छात्रों की आकांक्षाओं और क्षमताओं के बीच अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एंथे के इन 15 वर्षों का जश्न मनाते हुए, हमने अपने पाठ्यक्रमों को पूरे देश में योग्य छात्रों के लिए सुलभ बनाने का काम किया है, चाहे उनका स्थान कोई भी हो। एंथे छात्रों को, चाहे वे कहीं भी हों, अपनी गति से नीट और आईआईटी-जेईई परीक्षाओं की तैयारी करने में सक्षम बनाता है। हम एंथे 2024 में मजबूत भागीदारी की आशा करते हैं और छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए समर्पित हैं।"

इस बार एंथे अपने 15वें सफल वर्ष का जश्न मना रहा है, और इसके पास श्रेष्ठ उपलब्धियों का एक शानदार रिकॉर्ड है। इन वर्षों में, एंथे के कई छात्रों ने नीट यूजी और जेईई एडवांस्ड जैसी प्रतिष्ठात्मक परीक्षाओं में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। एंथे के माध्यम से आकाश में दाखिल होने वाले कुछ प्रमुख उपलब्धियां शामिल हैं: ऋषि शेखर शुक्ला (जेईई एडवांस्ड 2024 AIR 25), कृष्णा साई शिशिर (जेईई एडवांस्ड 2024 AIR67), अभिषेक जैन (जेईई एडवांस्ड 2024AIR 78) और अन्य। नीट 2023 में हमारे शीर्ष स्कोरर्स शामिल हैं: कौस्तव बौरी (AIR03), ध्रुव आडवाणी (AIR 05), सूर्य सिद्धार्थ एन (AIR 06), आदित्य नीरज (AIR 27) और आकाश गुप्ता (AIR 28).

एंथे 2024 का आयोजन 19 से 27 अक्टूबर 2024 के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में, भारत के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में होगा, 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्तियों के अलावा, शीर्ष स्कोरर्स को नकद पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा।

सूरतवासी अब नेपल्स का अनुभव ले सकते हैं, सी नॉन्नास गुजरात में अपना पहला आउटलेट लॉन्च करने वाला है

सुरत भुमि। सूरतवासियों, अब इटली के स्वाद का आनंद लेने के लिए तैयार हो जाइए! नेपोलिटन सारडो पिज़्ज़ा के प्रवर्तक सी नोन्नास, आपके शहर में अपना पहला आउटलेट खोलने की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं! नेपल्स के स्वाद को सूरत के दिल में लाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सी नोन्नास के दूरदर्शी आयुष जटिया ने अपना उत्साह साझा किया और कहा "हम सी नोन्नास को सूरत में लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। हमारे नए रेस्तरां का लक्ष्य सूरत के लोगों को हमारी अनूठी सारडो पिज्जा और अधिक व्यंजन परोसना है। हमें विश्वास है कि सूरत के लोगों को यह बहुत पसंद आएगा। सारडो पिज्जा बहुत पसंद आएगा। हमारा लक्ष्य उन्हें भोजन से कहीं अधिक एक अनुभव और स्वाद देना है: हम यहां सूरत में नेपल्स का एक छोटा सा टुकड़ा पेश करना चाहते हैं।"

सी नोन्नास की खुली रसोई पाक कला के लिए एक मंच है। मेहमान शेफ को रेस्तरां का मुख्य आकर्षण बनाते हुए देख सकते हैं, इसका सारडो पिज़्ज़ा, मोत्ज़ारेला, कालमाटो जैतून और केपर्स का एक आदर्श मिश्रण है साथ ही लोगों का पसंदीदा पिज़्ज़ा है। इन पिज़्ज़ा के अलावा, मेनू में मुंह में पानी ला देने वाले मशरूम और बेल पेपर पनुत्जो जैसे स्वादिष्ट व्यंजन हैं, जिनके ऊपर घर का बना पेस्टो डाला गया है। ताज़ा सलाड, तले हुए व्यंजन और स्वादिष्ट व्यंजनों का चयन इन मुख्य व्यंजनों का पूरक है। पेय पदार्थों के विकल्पों में सी नोन्नास कूलर और विभिन्न प्रकार की आइस्ड चाय शामिल हैं। मिठाइयों में तिरामिसु, एफ़ोगाटो और जलाटोस के कई स्वादों का आनंद ले सकता है। सिसिलियन पिस्ता, बेल्जियन डार्क चॉकलेट और अन्य का भी समावेश है। लेकिन वह सब नहीं है! सी नॉनस अपने मेनू में सबसे ताज़ी, उच्चतम गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिलाती (टमाटर प्यूरी), फियोर डे लट्टे मोत्ज़ारेला से लेकर आयातित कलामाता जैतून तक, हर सामग्री का सावधानीपूर्वक चयन किया जाता है। सी नॉननास के मुख्य उत्पाद इटली से आयात किए जाते हैं।

सैमसंग गैलेक्सी Z फोल्ड6, Z फ्लिप6, वॉच अल्ट्रा, वॉच7 और बड्स3 की बिक्री पर मिल रहे हैं आकर्षक ऑफर्स

गुरुग्राम ।

सैमसंग के छठी जनरेशन के फोल्डेबल स्मार्टफोन के साथ ही दूसरे प्रॉडक्ट्स गैलेक्सी Z फोल्ड6, गैलेक्सी Z फ्लिप6, गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा, वॉच7 और बड्स3 अब आपके नजदीकी रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध हैं। उपभोक्ता Samsung.com, Amazon.in और फ्लिपकार्ट पर भी इनकी खरीदारी कर सकते हैं।

पिछली जनरेशन के फोल्डेबल की तुलना में पहले 24 घंटों में 40% अधिक प्री-ऑर्डर हासिल कर गैलेक्सी Z फोल्ड6 और गैलेक्सी Z फ्लिप6 रिकॉर्ड बना चुके हैं। गैलेक्सी Z फोल्ड6 और Z फ्लिप6 अब तक के सबसे पतले और हल्के गैलेक्सी Z सीरीज डिवाइस हैं, और सीधे एज के साथ बिल्कुल सिमिट्रीकल डिजाइन के साथ आते हैं। गैलेक्सी Z सीरीज बेहतर आर्मर एल्युमीनियम और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 के साथ आते हैं, जो इसे अब तक की सबसे टिकाऊ गैलेक्सी' सीरीज बनाती है।

गैलेक्सी Z फोल्ड6 और Z फ्लिप6 गैलेक्सी के लिए स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 मोबाइल प्लेटफॉर्म से लैस हैं, जो अब तक का सबसे एडवांस्ड स्नैपड्रैगन मोबाइल प्रोसेसर और श्रेणी में सबसे बेहतरीन सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू परफॉर्मेंस को साथ लेकर आता है।

गैलेक्सी Z फोल्ड6 और Z फ्लिप6 सैमसंग नॉक्स द्वारा सुरक्षित हैं। यह डिफेंस-ग्रेड, मल्टी-लेयर सुरक्षा प्लेटफॉर्म है जो महत्वपूर्ण जानकारी की सुरक्षा और खतरों से बचाने के लिए बनाया गया है।

गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा - गैलेक्सी वॉच पोर्टफोलियो में सबसे नया और सबसे शक्तिशाली संकलन है, जो अल्टीमेट इंटेलिजेंस और क्षमताओं के साथ फिटनेस लेवल के अनुभव को नई ऊंचाई पर लेकर जाता है। गैलेक्सी वॉच7 के साथ यूजर 100 से अधिक वर्कआउट को सटीक रूप से ट्रैक कर सकते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वर्कआउट रूटीन के साथ विभिन्न अभ्यासों को जोड़कर रूटीन बना सकते हैं। गैलेक्सी वॉच7 स्लीप एनालिसिस के लिए नए अत्याधुनिक गैलेक्सी एआई एल्गोरिदम से लैस है जहां यूजर इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) और ब्लड प्रेशर (बीपी) मॉनिटरिंग के साथ अपने हार्ट की सेहत की जानकारी हासिल कर सकते हैं। गैलेक्सी एआई से युक्त गैलेक्सी बड्स3 को जबरदस्त साउंड के लिए तैयार किया गया है और यह आरामदायक फिट के साथ नए कम्प्यूटेशनल ओपन-टाइप डिजाइन के साथ आता है।

कीमत और ऑफर्स

गैलेक्सी Z फ्लिप6 की कीमत 109999 रुपये से शुरू होती है और यह तीन शानदार रंगों - ब्लू, मिंट और सिल्वर शैडो में उपलब्ध है। उपभोक्ता 24 महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ मात्र 4250 रुपये में गैलेक्सी Z फ्लिप6 खरीद सकते हैं। गैलेक्सी Z फोल्ड6 की कीमत 164999 रुपये से शुरू होती है और यह तीन रंगों- सिल्वर शैडो, नेवी और पिंक में उपलब्ध है। उपभोक्ता गैलेक्सी Z फोल्ड6 को 24 महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ मात्र 6542 रुपये में खरीद सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहक गैलेक्सी वियरेबल्स- गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा, गैलेक्सी वॉच7 और गैलेक्सी बड्स3 खरीदते समय 18000 रुपये तक के मल्टीबाय बेनिफिट्स का लाभ उठा सकते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)